दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित एनसीआर (इंडिया) का हिन्दी दैनिक

मो.9643311765

सत्यजय टाईम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष-15 अंक-98 शुक्रवार 10 अप्रैल, 2026, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद (एनसीआर) से प्रकाशित) प्रातःकालीन संस्करण

RNI NO HARHIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjtfaridabad@gmail.com Satyajay Times satyajaytimes

एक नजर

दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। दिल्ली विधानसभा समेत कई सरकारी कार्यालयों को बृहस्पतिवार को बम से उड़ाने की धमकी संबंधी ईमेल मिले। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी में प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक सुरक्षा जांच शुरू की गई। जांच के बाद सभी जगह बम होने की सूचना झूठी निकली। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह ईमेल सुबह 8.14 बजे विधानसभा और दिल्ली सरकार के कार्यालयों से जुड़ी ईमेल आईडी सहित कई आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजे गए। इसमें दिन में अलग-अलग समय पर विधानसभा, सचिवालय, कुछ स्कूलों और एक मेट्रो स्टेशन पर संभावित विस्फोटों का जिक्र किया गया था। दिल्ली पुलिस ने तेजी ...

शेष पेज 4 पर...

दो वरिष्ठ आईएएस सस्पेंड

पंचकूला, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा सरकार ने 590 करोड़ रुपये के कथित बैंक घोटाले में संलिप्तता के आरोपों के चलते दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं अब आईडीएफसी बैंक घोटाले मामले में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर ली है। निलंबित अधिकारियों में राम कुमार सिंह, आईएएस (एचवाई 2012) शामिल हैं, जो राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में विशेष सचिव के साथ-साथ पंचकूला मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर तैनात थे। सरकार के आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान राम कुमार सिंह का मुख्यालय मुख्य सचिव, हरियाणा के कार्यालय (सर्विसेज-1 शाखा) ...

शेष पेज 4 पर...

असम-पुदुचेरी में 2021 के मुकाबले इस बार ज्यादा मतदान

- 1,899 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद।
- केरल की 140 सीटों के लिए 883 उम्मीदवार मैदान में।
- पुदुचेरी की 30 सीटों पर 294 उम्मीदवार

असम, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। असम, केरल और पुदुचेरी विधानसभा चुनाव में आज मतदान का दिन रहा। शाम छह बजे तक वोटिंग खत्म होने तक जहां असम-पुदुचेरी में 2021 से ज्यादा मतदान दर्ज हुआ, वहीं केरल भी पिछले चुनाव से ज्यादा मतदान दर्ज करने के करीब दिखा। तीन राज्यों के कुल 5.31 करोड़ मतदाता आज जोर-शोर से नई सरकार का फैसला करने के लिए सुबह से मतदान केंद्रों के बाहर जुटे रहे। इसके साथ ही आज 1,899 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। मतदातों को वोट डालने के लिए चुनाव आयोग ने कुल 63,060 मतदान केंद्र बनाए हैं।

केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 883 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं। इन उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला राज्य के 2.71 करोड़ मतदाता करेंगे। इनमें 1.39 करोड़ महिला मतदाता तो 1.32 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। सुचारू रूप से मतदान के लिए 30,471 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य में 75.75% वोटिंग हुई थी। राज्य की कुट्टियाडी विधानसभा सीट पर 2021 में सबसे ज्यादा मतदान हुआ था। यहां के 83.83% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। वहीं, तिरुवनंतपुरम विधानसभा सीट पर सबसे कम मतदान हुआ था। यहां सिर्फ 62.99% लोगों ने वोट डाला था। असम विधानसभा की 126 सीटों पर 722 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य के 2.50 करोड़ मतदाता इन उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे। इन मतदाताओं में 1.25 करोड़ पुरुष और 1.25 करोड़ महिलाएं हैं। वोट डालने के लिए राज्यभर में 31,490 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव में असम में 82.02% मतदान हुआ था। नए सिरे से हुए परिसीमन और एसआईआर के बाद हो रहे इस

चुनाव में मतदान का नया रिकॉर्ड बन सकता है। 2021 में सबसे ज्यादा मतदान ...

शेष पेज 4 पर...

टीएमसी राज में मां-माटी और मानुष परेशान : प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने बीरभूम में भी फूंका बदलाव का बिगुल

मुंबई, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आज लगातार तीन रैली कर रहे हैं। हले पीएम मोदी ने हल्दिया की रैली संबोधित किया था। वहां उन्होंने जनता को विकास की गारंटी दी, जबकि आसनसोल में टीएमसी के 'पापों' का हिसाब लेने की चेतावनी दी। वहीं, बीरभूम की रैली में भी उन्होंने टीएमसी पर बड़ा हमला बोला। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि बीरभूम की ऐतिहासिक धरती ने संथाल क्रांति को ऊर्जा दी थी।

आज उसी बीरभूम में परिवर्तन की आंधी नजर आ रही है। मेरे सामने ये विशाल जनसागर परिवर्तन की घोषणा कर रहा है। साथियों, रबींद्र नाथ टेगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे। हर कोई भयमुक्त हो, लेकिन टीएमसी के गुंडाराज ने एकदम उल्टा कर दिया। ये हमेशा मां, माटी और मानुष की बात करते थें। लेकिन टीएमसी के राज में मां रो रही है। माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है। डरा हुआ है। सहमा हुआ है। पीएम ने कहा कि यह स्थिति बदलने के लिए अब निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी दस्तावेज दिलाने में मदद कर रहा है। उनके मुताबिक यह सिर्फ राज्य नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है, तो घुसपैठ के खिलाफ विशेष जांच कराई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि घुसपैठियों के हर मददगार की पहचान की जाएगी, चाहे वह कितना ही ताकतवर क्यों न हो। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों को जेल भेजा जाएगा और घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा। पीएम ने रामपुरहाट और मालदा की घटनाओं का जिक्र करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि न्यायिक प्रक्रिया में लगे लोगों तक को डराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों को इस डर से मुक्ति दिलाना जरूरी है। उन्होंने आरजी कर दुष्कर्म मामले को भी उठाया। भाजपा ने आरजी कर मामले की पीड़िता की मां को उम्मीदवार बनाया है। उन्हें पानीहाटी विधानसभा से टिकट दिया गया है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के सम्मान के मुद्दे पर भी टीएमसी को घेरा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को उचित सम्मान देना हर सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन टीएमसी सरकार ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने इसे आदिवासी समाज और महिलाओं का अपमान बताया।

ऑपरेशन सिंदूर ने संयुक्त कार्रवाई के महत्व को बताया : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने डोमेन जॉइंटनेस की दिशा में भारत की प्रगति को दिखाया है। इस सैन्य अभियान को एकीकरण के परिचालन महत्व का निर्णायक केस स्टडी बताया। पिछले साल मई में, भारत ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी लॉन्चपैड को निशाना बनाते हुए सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। पहलगाम हमले में 26 भारतीय पर्यटक मारे गए थे।

जनरल द्विवेदी ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर, विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्तता की दिशा में भारत की प्रगति का सबसे शक्तिशाली साधन था। लेकिन हमें विभिन्न क्षेत्रों का एकीकरण और विलय हासिल करना होगा।" दरअसल, वह यहां रण संवाद मंच पर "थल सेना द्वारा बहु-क्षेत्रीय संचालन (एमडीओ) का दृश्य-विश्लेषण विषय पर संबोधित कर रहे थे। सेना प्रमुख ने कहा कि एमडीओ के बारे में उनकी कल्पना छह डोमेन के समानांतर संचालन की नहीं है, बल्कि उन सभी की निरंतर गतिशील बातचीत की है, जहां भार बदलता है और नेतृत्व में परिवर्तन होता है।

सेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक युद्ध अब भौगोलिक सीमाओं या किसी एक सेना के प्रभुत्व तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों, हितधारकों और संघर्ष के स्तरों में निरंतर क्रिया द्वारा परिभाषित होता है। उन्होंने कहा, "हम अपने समय के एक बिखरे हुए, अघोषित, बहु-मोर्चे वाले, बहु-क्षेत्रीय युद्ध का सामना कर रहे हैं। सवाल यह नहीं है कि क्या क्षेत्र आपस में परस्पर क्रिया करते हैं, बल्कि यह है कि युद्ध क्षेत्र में यह परस्पर क्रिया किस प्रकार संचालित होती है।" इसके साथ ही जनरल द्विवेदी ने स्थलीय क्षेत्र और स्थलीय बलों के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए समझाया कि जहां ...

शेष पेज 4 पर...

'तटीय राज्यों ने चुनौती को अवसर में बदला'

विकसित भारत में विधायिकाओं की अहम भूमिका : ओम बिरला

नई दिल्ली, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि तटीय राज्यों ने अपनी चुनौतियों को अवसर में बदलकर विकास का नया मॉडल पेश किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए इसी दृष्टिकोण को सफलतापूर्वक लागू किया। कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन इंडिया रीजन जोन-श्क्क सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा जैसे तटीय राज्यों के सामने प्राकृतिक और भौगोलिक चुनौतियां रही हैं, लेकिन उनके नेतृत्व ने इन्हें विकास के अवसर में बदला है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अपने लंबे कार्यकाल में सूखा, लंबी तटीय सीमा और जनजातीय क्षेत्रों जैसी चुनौतियों का सामना करते हुए औद्योगिकीकरण, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा दिया। नर्मदा का पानी सूखे इलाकों तक पहुंचाया गया और वैश्विक बदलावों के अनुरूप नई तकनीकों को अपनाया गया।

बिरला ने कहा कि अन्य तटीय राज्यों ने भी संकट और आपदाओं से निपटने के लिए कानून और नीतियां बनाईं, जिससे विपरीत परिस्थितियों में भी विकास सुनिश्चित हुआ।

उन्होंने कहा कि जनता को अपने जनप्रतिनिधियों से काफी उम्मीदें हैं और गुजरात, महाराष्ट्र व गोवा को आपस में बेहतर नीतियों और अनुभवों का आदान-प्रदान करना चाहिए। उन्होंने राज्यों की विधानसभाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की जरूरत पर भी जोर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि दुनिया भारत की संसदीय लोकतंत्र प्रणाली को सर्वश्रेष्ठ मानती है और 1952 से हर चुनाव में बढ़ती मतदाता भागीदारी इसकी सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज का दौर तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है, लेकिन इसके साथ मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही जरूरी है। बेहतर नीति और कानून पर सार्थक चर्चा करने ...

शेष पेज 4 पर...

तोडफोड की कार्रवाई में 12 दुकान और आठ मकान धराशाही

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/रूपेश बंसल। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर डीटीपी एनफोर्समेंट ने आज दुर्गा बिल्डर की लाईसेंसी कालोनी में तोडफोड की बडी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस कार्रवाई के दौरान 12 दुकानों तथा आठ पक्के मकानों को धराशाही कर दिया गया।

इस विषय में अधिक जानकारी देते हुए डीटीपी एनफोर्समेंट याजन चौधरी ने बताया कि ओखला एन्कलेव जिसको दुर्गा बिल्डर के नाम से जाना जाता है एक लाइसेंसी कालोनी है, तथा कुछ लोगों ने यहां पर अवैध रुप से अतिक्रमण करके मकान व दुकान बना लिए थे। इस मामले को लेकर कालोनी वालों तथा इन अतिक्रमण कताओं के मध्य कोर्ट में मामला चल रहा था, जिस पर गत दिवस फैसला आया और इन अतिक्रमणों को हटान के निर्देश कोर्ट द्वारा दिए गए।

श्री याजन चौधरी के अनुसार इन्हीं आदेशों के तहत वीरवार को इन अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई करते

हुए यहां पर अतिक्रमण कर बनाए गए आठ मकानों तथा 12 दुकानों को हटा दिया गया। इस मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद था, हालांकि लोगों ने शुरू में छुटपुट विरोध किया, लेकिन बाद में कोई बाधा नहीं बना।

याजन चौधरी ने कहा कि यह कार्रवाई तो सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर थी, लेकिन जिले में अवैध कालोनियों व अतिक्रमणों के खिलाफ सरकार के निर्देशानुसार अभियान जारी रहेगा, उन्होंने लोगों सेअपी की कि वह भूमाफियाओं के वहकावे में न आए और अधिकृत क्षेत्र में ही भवन निर्माण करें।

आर.बंसल 'S राजनैतिक चटखारे

सरकार के दो कदम, सहमी अफसरशाही?

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स। बुधवार रात्रि से एकाएक एक्टिव हरियाणा के दो कदमों से अफसरशाही में हडकम्प का आलम है, असल में बुधवार देर रात्रि प्रदेश सरकार ने आई.ए.एस. अधिकारियों की तबादला सूची जारी की, इसी सूची में कुछ महत्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियो को जिस प्रकार से इधर उधर किया गया, उसके बाद अफसरशाही में हडकम्प मच गया, क्योंकि किसी को भी इस सूची की उम्मीद ही नहीं थी कि यह सूची आ रही है, लेकिन जैसे ही अधिकारियों ने इस सूची लेकर मंथन किया तो पता लगा कि इस सूची का आधार वह बैंक घोटाले हैं जिनकी चर्चा पिछले दिनों से चल रही है और जिनकी जांच सीबीआई को सोंपी गई है। तबादला सूची तक यह माना जा रहा था कि सरकार ने ऐतिहातन तथा यह दिखाने के लिए सरकार जीरो टोलरेंस की नीति पर काम कर रही है, यह सूची जारी की उन अधिकारियों को इधर उधर एडजस्ट कर दिया गया है। लेकिन वीरवार को जैसे ही दो आई.ए.एस. अधिकारियों के निलम्बन आदेश जारी हुए, उसके बाद तो पूरी अफसरशाही सन्न रह गई, क्योंकि सरकार का यह ऐसा फैसला था, जिसकी उम्मीद नहीं की जा रही थी? समान्यतौर पर सरकार आई.ए.एस. अधिकारियों के खिलाफ बिना पुख्ता सबूत व जांच के इस तरह के कदम नहीं उठाती है, लेकिन इन दोनों आई.ए.एस. अधिकारियों को लेकर जारी निलम्बन आदेशों के बाद अफसरशाही सहमी हुई है और अधिकारियों में दहशत का आलम है कि सरकार कोई भी बडा व सख्त कदम उठा सकती है? हालांकि यदि सरकार की बात करें तो इस कदम से प्रदेश के मुखिया जी एक बार फिर से यह संदेश देने में कामयाब हो गए हैं कि सरकार भ्रष्टाचार सहन नहीं करेगी, फिर चाहे इसके लिए कितने ही कठोर निर्णय क्यों न लेने पडें?

फिर से होने लगी प्रोमोटी और डायरेक्ट आई.ए.एस. शब्दों की चर्चा?

अफसरशाही में आई.पी.एस. तथा आई.ए.एस. लॉबियों की चर्चा तो रहती ही है, साथ ही अनेक बार ऐसा हुआ है कि आई.ए.एस. अधिकारियों में भी दो गुट बने हुए दिखाई देने लगते हैं जिनको डायरेक्ट आई.ए.एस तथा प्रोमोटी आई.ए.एस. के नाम से पहचाना जाता है। डायरेट आई.ए.एस. वह होते हैं जो कि सीधे यूपीएससी की परीक्षा पास कर आई.ए.एस. के पद पर नियुक्त होते हैं और प्रोमोटी वह आई.ए.एस. होते हैं जो कि सरकार में नियुक्त तो प्रदेश सेवा की परीक्षा पास कर होते हैं, लेकिन वरिष्ठता के आधार पर उनको बाद में आई.ए.एस. प्रोमाट कर दिया जाता है? हरियाणा में आई.ए.एस. अधिकारियों मे वीरवार को इन दोनों ही शब्दों की चर्चा काफी रही, जिसके पीछे कारण सरकार की वह कार्रवाई रही जिसमें सरकार ने दो आई.ए.एस. अधिकारियों को निलम्बित कर दिया, असल में जिन दो आई.ए.एस. अधिकारियों को निलम्बित किया गया है वह दोनों ही एच.सी.एस. से प्रोमोट होकर आई.ए.एस. बने हैं, प्रशासनिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि बैंकों के घोटाले के मामले में आधा दर्जन से अधिक प्रशासनिक अधिकारियों के नाम चर्चाओं में हैं, इन में से केवल दो वह भी प्रोमोटी आई.ए.एस. अधिकारियों का निलम्बन अफसरशाही में चर्चाओं में हैं, अब यह जांच का विषय है कि शेष आधा दर्जन अधिकारियों के खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं हैं, या फिर उनके खिलाफ कार्रवाई न होने का कारण कुछ और है, पर अफसरशाही में फिलहाल इनको प्रोमोटी मान कर देखा जा रहा है?

एफएमडीए के अधिकारियों पर गिरेगी गाज?

फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण इन दिनों खासी चर्चाओं में हैं, प्राधिकरण की बैठक के दौरान जहां मुखिया जी अधिकारियों मे कीडे पडने तक की ...

शेष पेज 4 पर...

गैस सिलेंडर फटा, 4 बच्चों सहित 10 लोग घायल

यमुनानगर, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के यमुनानगर में वीरवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया, जब एलपीजी सिलेंडर में गैस ट्रांसफर के दौरान अचानक जोरदार धमाका हो गया। हादसे में 4 बच्चों और 2 महिलाओं सहित कुल 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाका इतना जबरदस्त था कि क्वार्टर की दीवारें ढह गईं और लेंटर तक में गहरी दरारें पड़ गईं। घटना सुबह करीब 8:20 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, जिस क्वार्टर में प्रवासी मजदूर परिवार रहते थे, वहां 17 क्वार्टर बने हुए थे और एक क्वार्टर में करीब 5 सदस्य रह रहे थे। घटना के समय महिलाएं बाहर खाना बना रही थीं, जबकि अंदर बड़े सिलेंडर से छोटे सिलेंडर में गैस भरी जा रही थी। इसी दौरान गैस लीक होने से अचानक ब्लास्ट हुआ और आग तेजी से फैल गई, जिससे कमरे में मौजूद बच्चे और महिलाएं उसकी चपेट में आ गए। हादसे में 2 महीने की सिमरन, 5 साल की शांति, 9 साल की नेहा, 9 साल की शांति, 4 साल की अंशु, 10 साल की सुभांति, तथा रीना देवी और 4 साल की कांति गंभीर रूप से झुलस गई हैं। गनीमत यह रही कि कमरे में रखे दो भरे हुए सिलेंडर आग की चपेट में नहीं आए, वरना नुकसान और भी बड़ा हो सकता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि रोज की तरह कई मजदूर सुबह काम पर चले गए थे, जिसकी वजह से कई लोगों की जान बच गई। धमाके की आवाज पूरे क्षेत्र में गूंज गई, जिससे अफरातफरी मच गई और लोग मदद के लिए दौड़ पड़े।...

शेष पेज 4 पर...

ताऊ - अरे मौल्लड़ यू एस ईरान सीज फायर इजराइल ने लेबनान में किया धुआं धुआं ट्रम्प फिर पलटे।
मौल्लड़ - ताऊ ट्रम्प रोज थूके फिर चाटे।
ताऊ - सीधा बता कहना क्या।
मौल्लड़ - ट्रम्प के भेजे नापाक शहबाज के ट्वीट में लेबनान का नाम था इजराइल ने माना नहीं अब पाक के सर पर ठीकरा फोड़ दिया।

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संपादकीय

महिला आरक्षण विधेयक भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब...

इक्कीसवीं सदी की विकास यात्रा में भारत एक महत्त्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी और देश की संसद को एक महत्त्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को और ज्यादा व्यापक एवं अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा तथा विधानसभाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है, जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग-अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं और ओड़ीशा में महाबिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरूआत होगी। केरल में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनिया भर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं यह कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की है। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्त्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्त्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। विज्ञान एवं तकनीक से लेकर उद्यमशीलता तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र तक महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसविदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निमार्ताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है।

इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है। मगर ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और दृष्टिकोण बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, शासन की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को ज्यादा संवेदनशील और संतुलित बनाने का प्रयास है।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसविदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निमार्ताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो। अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। अगर अब भी हम इसे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और उसे भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

युद्ध के माहौल में ऊर्जा की मांग को पूरा करना बड़ी चुनौती!

देश व दुनिया के नीति-निर्माता यह अच्छे से जानते हैं कि किसी भी देश की ऊर्जा प्रणाली उस देश के विकास की नींव होती है, लेकिन पिछले एक माह से भी अधिक समय से चल रहे ईरान अमेरिका व इजरायल के भीषण युद्ध ने इस नींव को जबरदस्त ढंग से हिलाने का कार्य कर दिया है। अमेरिका-इजरायल व ईरान के इस युद्ध ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़ा कटु सबक दे दिया है, इस युद्ध ने बता दिया है कि ऊर्जा के क्षेत्र में किसी भी दूसरे देश पर बहुत ज्यादा ही निर्भर रहना आज के जबरदस्त प्रतियोगिता व व्यावसायिक दौर में खतरे से खाली नहीं है। इस युद्ध ने दिखा दिया है कि ऊर्जा के लिए किसी भी अन्य देश पर बहुत अधिक निर्भर रहना राष्ट्र के विकास से बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न कर सकता है। आज के युग में विकास के पहिए को अनवरत चलाने के लिए ऊर्जा के क्षेत्र में विविधता अवश्य होनी चाहिए, देश को किसी भी एक तरह की ऊर्जा प्रणाली पर बिल्कुल भी निर्भर नहीं होना चाहिए, ऊर्जा के क्षेत्र में हर समय विकल्प अवश्य उपलब्ध होने चाहिए। वैसे भी देखा जाएं तो ऊर्जा क्षेत्र में विविधता जोखिम को अवश्य कम करने का कार्य करती है।

इसलिए यह आवश्यक है कि युद्ध व किसी भी अन्य आपदा जैसी विषम परिस्थितियों में जीवन को सुचारू रूप है चलाने के लिए अपने प्यारे देश भारत में ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से विविधता लाने की आवश्यकता है। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों की बात करें तो हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 'ऊर्जा सांख्यिकी भारत 2026' से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े जारी किये हैं, जिसमें भारत के ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े हुए ऊर्जा संसाधनों के भंडार, उत्पादन, खपत और व्यापार के आंकड़े शामिल हैं। इस रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार देश की कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति (टीपीईएस) वित्त वर्ष 2024-25 में 2.95% बढ़कर 9,32,816 किलो टन तेल समतुल्य (केटीओई) तक पहुंच गई। रिपोर्ट देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में हो रही तीव्र वृद्धि को दशार्ती है, जोकि 31 मार्च, 2025 तक 47,04,043 मेगावाट तक पहुंच गई, जिसमें सौर ऊर्जा का कुल क्षमता का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा है, फिर पवन ऊर्जा और जलविद्युत परियोजनाएं हैं। इस रिपोर्ट में नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता में भी जबरदस्त वृद्धि देखी गई है, जो 2016 में 90,134 मेगावाट से बढ़कर 2025 में 2,29,346 मेगावाट हो गई है, नवीकरणीय स्त्रोतों से बिजली उत्पादन वित्त वर्ष 2015-16 में 1,89,314 गीगावाट घंटे से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 4,16,823 गीगावाट घंटे तक हो गया है।

हालांकि इस रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार देश में कोयला आज भी ऊर्जा प्रदान का सबसे अहम स्त्रोत बना हुआ है, जिसके चलते ही कोयला की आपूर्ति वित्त वर्ष 2015-16 में 3,87,761 किलोटाइम ई.ई. से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 5,52,315 किलोटाइम ई.ई. हो गई है। इस रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक देश में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस जैसे ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। देश में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जोकि वित्त वर्ष 2015-16 में 15,296 मेगाजूल प्रति व्यक्ति से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 18,096 मेगाजूल हो गई है। वहीं सभी क्षेत्रों में ऊर्जा की कुल अंतिम खपत (टीएफसी) में 30% से अधिक की वृद्धि हो गयी है, जोकि वित्त वर्ष 2024-25 में 6,08,578 केटीओई तक पहुंच गई, जोकि देश में औद्योगिक मांग और उपभोक्ता मांग में विस्तार का संकेत देती है। वैसे भी विकास की तेज गति के चलते भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा खपत करने वाला देश पहले से ही बन गया है और ऊर्जा जरूरतों में हर वर्ष 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो रही है। ऐसी स्थिति में युद्ध के इस माहौल में जब ईरान के द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग को बंद करके दुनिया की गैस व कच्चे तेल की सप्लाई को बड़े पैमाने पर बाधित किया गया है, उस दौर में ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू रूप से निरंतर बनायें रखने के भारत की नरेन्द्र मोदी की सरकार के कूटनीतिक प्रयास काबिले-तारीफ हैं।

अमेरिका-इजरायल व ईरान के इस युद्ध ने हमारे प्यारे देश के नीति-निमार्ताओं को यह सबक दे दिया है कि ऊर्जा क्षेत्र में अब विविधता बेहद ही आवश्यक है, क्योंकि देश को फिर कभी युद्ध के दौर में होर्मुज जलडमरूमध्य संकट जैसे हालातों से गुजरना ना पड़े। देश को तेल व गैस के रिजर्व के साथ-साथ रणनीतिक भंडार बढ़ानें और विभिन्न प्रकार के स्त्रोतों से प्राप्त होने वाली बिजली के उत्पादन को बढ़ाने की जरूरत है। जिससे कि देश में फिर कभी भी युद्ध या किसी भी अन्य तरह की आपदा जैसे हालात में ऊर्जा संकट के बादल ना मंडराएं। वैसे भी हमें यह समझना होगा कि युद्ध या युद्ध जैसी उत्पन्न स्थितियां अब पूरी दुनिया में ऊर्जा की आपूर्ति और अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को तुरंत प्रभावित करने का कार्य करती हैं, युद्ध के प्रभाव से मंहगाई का विस्फोट होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। जिस तरह से पिछले एक माह से अधिक समय से ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग को बंद करके बैठा हुआ है, उससे पूरी दुनिया में लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल व गैस आदि का गंभीर संकट पैदा हो गया है, जिस वजह कुछ देशों में लॉकडाउन तक लगने लग गया है। वैसे भी अगर हम युद्ध के समय के हालातों पर ध्यान दें तो हमें यह बिल्कुल स्पष्ट नजर आता है युद्ध के समय में ऊर्जा स्त्रोतों को निशाना बनाना दुश्मन देश का सबसे अहम लक्ष्य होता ही है, जिसके चलते ही तेल, गैस व बिजली आदि के बाधित होने का जबरदस्त खतरा बना रहता है, जिससे विभिन्न प्रकार की ऊर्जा के दामों में बढ़ोत्तरी होनी शुरू हो जाती है। दुनिया को वर्ष 1970 के दशक में भी युद्ध के चलते इस तरह के गंभीर ऊर्जा संकट से रूबरू होना पड़ा था। इसलिए हमारे नीति-निमार्ताओं ने जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने की तेजी से शुरूआत

करते हुए विभिन्न घरेलू ऊर्जा स्त्रोतों का विकास तेजी से करना शुरू किया था। उन्होंने भारत में एथेनॉल, कोयला, जल, परमाणु, सौर व पवन ऊर्जा आदि की विविधता वाली एक बृहद ऊर्जा व्यवस्था को विकसित किया था। क्योंकि वह अच्छे से जानते हैं कि राष्ट्र के तेज गति से विकास के लिए एक ऐसी सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता है जोकि युद्ध या किसी भी अन्य प्रकार की आपदा जैसी बेहद विषम परिस्थितियों में भी ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने का कार्य निर्बाध रूप से करती रहे। इसी के चलते ही युद्ध के समय में कोयला व अन्य ऊर्जा स्त्रोतों की मांग बढ़ जाती है, लेकिन परिवहन व्यवस्था में रुकावट होने के चलते कोयला, गैस व तेल आदि को उपभोक्ता के पास तक समय पर पहुंचाना बेहद ही चुनौतीपूर्ण व जोखिम भरा कार्य होता है, हर पल यह दुश्मन के निशाने पर बने रहते हैं। ऐसी स्थिति में परमाणु, जल, सौर व पवन ऊर्जा की अहमियत लोगों को समझ आती है। आज फिर युद्ध के चलते भारत सरकार के सामने देश की ऊर्जा प्रणाली को औद्योगिक क्षेत्र व लोगों की मांग के अनुरूप चलाने की एक बड़ी चुनौती खड़ी है। क्योंकि भारत में अभी भी ऊर्जा पैदा करने के क्षेत्र में बहुत ज्यादा कार्य करने की आवश्यकता है। भारत अब भी ऊर्जा क्षेत्र की मांग को पूरा करने के लिए काफी हद तक दूसरे देशों से आयात पर निर्भर है। युद्ध के चलते भारत में कच्चे तेल व गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, वहीं खाड़ी देशों में युद्ध के चलते कच्चे तेल व गैस के उत्पादन में भारी कमी होने से वैश्विक स्तर पर तेल व गैस की कीमतें अब रोजाना बढ़ रही हैं।

भारत सरकार चाहे लाख दावे करें की कच्चा तेल व गैस की देश में विभिन्न देशों से आपूर्ति निर्बाध रूप से आपूर्ति जारी है, लेकिन कटु सत्य यह भी है कि मांग के अनुरूप तेल व गैस की आपूर्ति पर दबाव बढ़ता जा रहा है। हालांकि नरेन्द्र मोदी सरकार विपरीत से विपरीत परिस्थितियों के बाद भी वैश्विक घटनाक्रमों से उत्पन्न कच्चे तेल व गैस की इस किल्लत की स्थिति को निरंतर संभालने के लिए धरातल पर लगातार ठोस प्रयास कर रही है। जिसके परिणामस्वरूप ही आज भारत के झंडे लगे हुए जहाज ईरान के शासकों के द्वारा दुनिया के अधिकांश देशों के लिए बंद किये गये होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग से कच्चा तेल व गैस लेकर के निकल रहे है.। भारत की नरेन्द्र मोदी सरकार भी विभिन्न देशों से तेल व गैस खरीदकर के इन चुनौतियों से निपटने का प्रयास लगातार कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप ही आज भी भारत के अधिकांश हिस्सों में ऊर्जा आपूर्ति धरातल पर निर्बाध रूप से चल रही है। लेकिन सरकार को अब देश में जीवाश्म ईंधन के स्थान पर वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों को तैयार करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। नवीकरणीय और पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा साधन विकसित करने चाहिए, जिससे कि उपभोक्ता जीवाश्म ईंधन के स्थान पर वैकल्पिक ऊर्जा प्रणाली के मुख्य स्त्रोतों सौर, पवन, जलविद्युत, भूतापीय और बायोमास आदि ऊर्जा प्रणाली का उपयोग करें।

वैसे भी अगर हम युद्ध के समय के हालातों पर ध्यान दें तो हमें यह बिल्कुल स्पष्ट नजर आता है युद्ध के समय में ऊर्जा स्त्रोतों को निशाना बनाना दुश्मन देश का सबसे अहम लक्ष्य होता ही है, जिसके चलते ही तेल, गैस व बिजली आदि के बाधित होने का जबरदस्त खतरा बना रहता है, जिससे विभिन्न प्रकार की ऊर्जा के दामों में बढ़ोत्तरी होनी शुरू हो जाती है। दुनिया को वर्ष 1970 के दशक में भी युद्ध के चलते इस तरह के गंभीर ऊर्जा संकट से रूबरू होना पड़ा था। इसलिए हमारे नीति-निमार्ताओं ने जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने की तेजी से शुरूआत करते हुए विभिन्न घरेलू ऊर्जा स्त्रोतों का विकास तेजी से करना शुरू किया था। उन्होंने भारत में एथेनॉल, कोयला, जल, परमाणु, सौर व पवन ऊर्जा आदि की विविधता वाली एक बृहद ऊर्जा व्यवस्था को विकसित किया था। क्योंकि वह अच्छे से जानते हैं कि राष्ट्र के तेज गति से विकास के लिए एक ऐसी सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता है जोकि युद्ध या किसी भी अन्य प्रकार की आपदा जैसी बेहद विषम परिस्थितियों में भी ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने का कार्य निर्बाध रूप से करती रहे।

कहां गए शांति के कपोत उड़ाने वाले?

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिसाइल और ड्रोन दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे, जिस तरह कि करना चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट को जन्म दिया तो मध्य पूर्व (इजराइल-हमास-ईरान) के संघर्ष ने दुनिया को धार्मिक और कूटनीतिक ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इन लड़ाइयों में टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच जो आवाज दब जाती है, वह है–एक मासूम बच्चे की चीख और एक बेबस मा. की कराह।

आज की दुनिया बारूद से धधक रही है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व के रेगिस्तानों तक, हर तरफ मिसाइलों की गूँज है। शांति की बाते अब सुनाई नहीं देतीं। शांति के कपोत उड़ाने वाले दिखाई देने बंद हो गए। युद्ध की विभिषिका के विरोध में प्रदर्शन करने और मोमबत्ती जलाने वाले अब सड़कों से गायब है। युद्ध के विरोध के स्वर धीमे ही नही हुए, पूरी तरह खामोश हो गए। बुद्ध के संदेश अब किताबों में ही बंद होकर रह गए है। युद्धों के विरोध की कही से बात नही उठ रही। दुनिया में शांति स्थित करने के लिए बने संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुंह पर टेप चिपक गया। वह देख सकता है। न कुछ बोल सकता है। न आदेश कर सकता है।

विडंबना देखिए कि इक्कीसवीं सदी में हम मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन जमीन के चंद टुकड़ों और आपसी वर्चस्व के लिए हजारों बेगुनाहों का खून बहाने से भी पीछे नहीं हट रहे। युद्ध चाहे रूस और यूक्रेन के बीच हो, या इजराइल, ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव हो। जीत के झंडे चाहे जिस देश के हाथ आएं, हारती हमेशा मानवता है। इन युद्ध में विजयी कोई भी हो, सदा पराजित तो मानव होती है। मरती बस इंसानियत है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिसाइल और ड्रोन दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे, जिस तरह कि करना चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट को जन्म दिया तो मध्य पूर्व (इजराइल-हमास-ईरान) के संघर्ष ने दुनिया को धार्मिक और कूटनीतिक ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इन लड़ाइयों में टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच जो आवाज दब जाती है, वह है–एक मासूम बच्चे की चीख और एक बेबस माँ की कराह। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत वे लोग चुकाते हैं जिनका राजनीति या सत्ता की लालसा से कोई लेना-देना नहीं होता। यूक्रेन के कीव से लेकर गाजा की गलियों और ईरान के गांव तक तक, हजारों औरतें और बच्चे मौत की नींद सो चुके हैं। जो उम्र खिलौनों से खेलने की थी, उस उम्र में बच्चे बमों के धमाकों को पहचानना सीख रहे हैं। हजारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं और लाखों का भविष्य मलबे के नीचे दब गया है। युद्ध के दौरान महिलाओं को न केवल विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है, बल्कि वे शारीरिक और मानसिक हिंसा का सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं। युद्ध केवल इंसान को नहीं मारता, वह सदियों से बनी-बनाई सभ्यताओं और बुनियादी ढांचे को भी नष्ट कर देता है। स्कूलों, अस्पतालों और रिहायशी इमारतों पर गिरते बम यह दशार्ते हैं कि आधुनिक समाज कितना "असंवेदनशील" हो चुका है। जब एक अस्पताल पर मिसाइल गिरती है, तो वह केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं ढहती, बल्कि इंसानियत की आखिरी उम्मीद भी टूट जाती है। इन लड़ाइयों का असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है। रूस-यूक्रेन संघर्ष ने दुनिया भर में अनाज की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ दिया। इससे गरीब देशों में भुखमरी का खतरा बढ़ गया। ईंधन की बढ़ती कीमतें और खाद्य पदार्थों की कमी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। जो खरबों डॉलर शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में खर्च होने चाहिए थे, वे आज आधुनिक हथियार और मिसाइलें बनाने में झोंके जा रहे हैं।

युद्ध का एक और खामोश शिकार हमारा पर्यावरण है। हजारों टन गोला-बारूद का इस्तेमाल वायुमंडल को जहरीला बना रहा है। जंगलों की आग, समुद्री प्रदूषण और जमीन में धंसे बारूदी सुरंग आने वाली कई पीढ़ियों के लिए मौत का जाल बिछा रहे हैं। हम जिस धरती को बचाने की कसमें खाते हैं, उसी को युद्ध की आग में झोंक रहे हैं। संसाधनों को बरबाद कर रहे हैं। जब हम टीवी पर बमबारी के दृश्य देखते हैं और उन्हें केवल एक "न्यूज अपडेट" की तरह छोड़ देते हैं, तो समझ लीजिए कि हमारे भीतर की इंसानियत मर चुकी है। युद्ध हमें क्रूर बना देता है। हम मौतों को केवल 'आंकड़ों' में गिनने लगते हैं। घृणा का यह बीज जो आज बोया जा रहा है, वह भविष्य में और अधिक कट्टरपंथ और आतंकवाद को जन्म देगा। अमेरिका आज दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बन गया है। उसने इराक पर यह कह कर हमला किया था कि उसके पास कैमिकल और अन्य घातक शस्त्र है। इराक हार गया। सद्दाम हुसैन पकड़े ही नही गए, उन्हें फांसी हो गई, किंतु अमेरिका इराक से कुछ भी बरामद नही कर पाया। उसका सब झूंठा प्रचार रहा। अब ईरान पर यह कह कर इजरायल और अमेरिका ने हमला किया कि वह परमाणु बम बनाने के नजदीक है। उसकी इस शक्ति को खत्म करना है। हमले जारी है। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए अपने मन की बात कह दी कि उसे ईरान के तेल पर कब्जा करना है। तीन जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने एक सैन्य ऑपरेशन के दौरान वेनेजुयला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनके देश (कराकस) से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नार्को-आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों के बाद की गई। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया। बहाना मादक पदार्थों की तस्करी रोकना था किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं कि वेनेजुयला का तेल वे बेचेंगे। उनकी मर्जी से बिकेगा। इस सब का मतलब साफ है कि दुनिया के संसाधनों पर अमेरिका की नजर है। वह किसी ने किसी बहाने उन पर कब्जा करना चाहता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा बयान सामने आया। ट्रंप ने कहा है कि अगर थोड़ा और समय मिला तो अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल सकता है और वहां से तेल लेकर बड़ा मुनाफा कमा सकता है। उनके इस बयान ने पहले से चल रहे संघर्ष को और संवेदनशील बना दिया है।

फिलहाल ईरान ने इस अहम समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है। इस कारण दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है और कीमतों में तेजी देखी जा रहीयह संघर्ष अब सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं रहा है। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान और लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी कई खाड़ी देशें पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हाल के दिनों में हमलों की संख्या कुछ कम हुई है, लेकिन पूरी तरह रुकी नहीं है। ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल होने से इन्कार करने वाले ब्रिटेन जैसे वह देश होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की वजह से जेट ईंधन नहीं पा रहे हैं। उनके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुझाव है: पहला- अमेरिका से तेल खरीदो, हमारे पास बहुत है। दूसरा- हिम्मत जुटाओ, जलडमरूमध्य पर जाओ और उसे अपने कब्जे में ले लो। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के पूर्व महानिदेशक मोहम्मद अल बारदेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी करने के बाद खाड़ी देशों से हस्तक्षेप करने की तत्काल अपील की है। पूर्व आईएईए प्रमुख ने विनाशकारी सैन्य टकराव की संभावना का जिक्र किया। बारदेई ने एक्स पर एक पोस्ट में पड़ोसी खाड़ी देशों को संबोधित करते हुए कहा, "कृपया, एक बार फिर अपनी पूरी ताकत झोंक दें, इससे पहले कि यह पागल शख्स इलाके को आग का गोला बना दे।" मोहम्मद अल बारदेई ने अपनी गुहार को वैश्विक मंच तक पहुंचाते हुए युद्ध को रोकने में अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका पर भी सवाल उठाया। संयुक्त राष्ट्र के साथ रूस-चीन-फ्रांस को संबोधित एक अलग पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या इस पागलपन को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है? युद्ध किसी समस्या का स्थायी हल नहीं है। इतिहास ने बार-बार सिखाया है कि युद्ध के मैदान में कभी कोई नहीं जीतता, बस जो कम हारता है वह खुद को विजेता घोषित कर देता है। रूस, यूक्रेन, इजराइल, ईरान या अमेरिका–शक्ति का प्रदर्शन किसी को महान नहीं बनाता। महानता इस बात में है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसी दुनिया दें जहाँ बारूद की गंध नहीं, बल्कि भाईचारे की मिठास हो। एक बार और अमेरिका वियतनाम और अफगानिस्तान में जाकर अपना अंजाम देख चुका है।

बाद में बहुत कुछ गंवाकर वहां से भाग आया। ये ईरान है। यहां के गांव वाले, युवाओं और बच्चों ने भी अब शस्त्रों से दोस्ती कर ली है। हथियार संभाल लिए है। अमेरिका के दो हेलिकॉप्टर को मार गिराने वाला एक मामूली गडरिया है। इस गडरिए को तो युद्ध कला भी नही आती। सिर्फ इतना जानता है कि ये हेलिकॉप्टर हमलावर अमेरिका के है। जिस देश की जनता इतनी जुझारू और लड़ाका हो, जिसके गडरिये अमेरिका जैसे देश के दो-दो आधुनिकतम हेलिकॉप्टर गिरा दें, उसे हराना संभव नहीं। आज दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्रों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्हें युद्ध के उन्माद को रोकना होगा। नहीं रोका, तो वह दिन दूर नहीं जब

संक्षिप्त समाचार

1-19 वर्ष तक के बच्चों को खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल की गोली : उपायुक्त

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि जिला में नेशनल डी-वार्मिंग डे कार्यक्रम के तहत जिला

में मंगलवार 21 अप्रैल को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस तथा मंगलवार 28 अप्रैल को मॉप-अप दिवस के दिन एक वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों व युवाओं को एल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 20-24 वर्ष तक की युवतियों को कवर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र, जिला के विद्यालयों तथा स्लम एरिया में जाकर खिलाई जाएगी। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बृहस्पतिवार को जिला सचिवालय स्थित सभागार में जिला स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास सहित आईएमए पलवल व अन्य संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ बैठक करते हुए आवश्यक निर्देश दिए तथा विशेष अभियान की रूपरेखा तैयार की।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि बच्चों को कुपोषण से बचाने तथा उन्हें स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करने के लिए सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान में पूर्ण सहयोग करें। कार्यक्रम के माध्यम से 21 अप्रैल को एक से 19 वर्ष के बच्चों और युवाओं को आंगनवाड़ी केंद्रों व स्कूलों तथा स्लम एरिया में जाकर एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। इस अभियान को सफल बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें और शत प्रतिशत लक्ष्य को हासिल करें। उन्होंने कहा कि कृमि मुक्ति दिवस मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों में पेट के कीड़ों की बीमारी से मुक्त करना है। यह बीमारी बच्चों में शारीरिक कमजोरी उत्पन्न करती है, जिससे बच्चा कुपोषण का शिकार हो जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को कुपोषण से बचाने में शिक्षक अहम भूमिका निभा सकते हैं।

आगजनी पीड़ितों की मदद को आगे आई मेव समाज सजग समिति

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/कपिल शर्मा। शहर की धर्म नगर कॉलोनी में बीते दिनों हुई भीषण आगजनी से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए मेव समाज सजग समिति आगे आई है। समिति के पदाधिकारियों ने प्रधान राहत हुसैन के नेतृत्व में पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें आर्थिक सहायता

प्रदान की और उनका दुख-दर्द साझा किया। इस अवसर पर समिति के प्रधान चौधरी राहत हुसैन, एडवोकेट शेर मोहम्मद, पूर्व पार्षद महेंद्र इरफान, मौलाना मोहम्मद इरशाद, जमील अहमद, हारून खान, राशिद खान एडवोकेट और बसरुद्दीन सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। गौरतलब है कि बीते दिनों हुई आगजनी की घटना में दर्जनों परिवारों के सैकड़ों लोग बेघर हो गए थे। आग में उनकी झुग्गियां पूरी तरह जलकर राख हो गईं, जिससे उनके पास न तो रहने के लिए घर बचा और न ही पहनने के लिए कपड़े। कई परिवारों के सामने भोजन तक का संकट खड़ा हो गया है। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पीड़ितों की सहायता के लिए विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल ने भी पीड़ितों के लिए एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी एडवोकेट शेर मोहम्मद और पूर्व पार्षद महेंद्र इरफान ने बताया कि 6 अप्रैल को अज्ञात कारणों से धर्म नगर कॉलोनी में भीषण आग लग गई थी, जिसमें कई झुग्गियां जलकर नष्ट हो गईं। इससे वहां रहने वाले परिवार पूरी तरह बेघर हो गए। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में समाज के हर व्यक्ति का कर्तव्य बनता है कि पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए। मेव समाज सजग समिति ने भी इसी भावना के तहत पीड़ित परिवारों तक पहुंचकर सहायता प्रदान की है और भविष्य में भी हर संभव सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया है।

मंडियों 67055.7 मीट्रिक टन गेहूं की हुई खरीद

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि जिला की विभिन्न अनाज मंडियों व फसल खरीद केंद्रों में 08 अप्रैल रात्रि तक कुल 134631.87 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। इनमें से विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा 67055.7 मीट्रिक टन गेहूं को खरीद लिया गया है और इसमें से 6810.9 मीट्रिक टन गेहूं का उठान भी हो चुका है। उन्होंने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में पहुंचे गेहूं में से हैफेड द्वारा 23763 मीट्रिक टन व हरियाणा वेयरहाउसिंग द्वारा 43292.7 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। खरीद किए गए गेहूं में से 6810.9 मीट्रिक टन का उठान हो चुका है और 60244.8 मीट्रिक टन गेहूं उठान के लिए मंडियों में बाकी है, जिनका जल्द उठान करने के लिए आदेश दिए गए हैं।

प्रशासनिक अधिकारी जन समस्याएं सुनते समय जनहित को रखें सर्वोपरि : उपायुक्त

कहा- शिकायतों का गंभीरता के साथ प्राथमिक आधार पर करें निवारण

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/लक्ष्मन शर्मा। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन के लिए जनहित सर्वोपरि है। समाधान शिविरों का मूल उद्देश्य भी जनता की तकलीफों और परेशानियों को दूर करना है। उन्होंने कहा कि जिला के प्रशासनिक अधिकारी जन समस्याएं सुनते समय जनहित को सर्वोपरि रखें और प्राथमिकता के आधार पर आमजन की शिकायतों का समाधान करें ताकि पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को न्याय मिल सके।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ बृहस्पतिवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। इस दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों का विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से औचक निरीक्षण करते हुए समाधान शिविर की कार्यवाही देखी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त डा. वशिष्ठ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिकारी नागरिकों की शिकायतों का गंभीरता के साथ प्राथमिक आधार पर निवारण करें ताकि नागरिकों को अपनी शिकायत के समाधान के लिए बार-बार समाधान शिविर में न आना पड़े। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य लक्ष्य जनता को राहत देना है। यदि कोई व्यक्ति शिकायत लेकर आता है तो संबंधित विभाग के अधिकारी उसी समय पूरी गंभीरता से मामले की जांच करें और यथासंभव उसी दिन समाधान सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत का रिकॉर्ड डिजिटल रूप से दर्ज किया जाए ताकि उसकी प्रगति की निगरानी आसानी से की जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को समाधान शिविर से संबंधित लंबित शिकायतों का तत्काल प्रभाव से निवारण करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

इस अवसर सीटीएम प्रीति रावत, सीईओ जिला परिषद जितेंद्र कुमार, डीएसपी नरेंद्र खटाना, तहसीलदार दिनेश कुमार, सीएमओ डा. सतेंद्र वशिष्ठ, उप सिविल सर्जन चाइल्ड हेल्थ केयर डा. संजीव तंवर, उप सिविल सर्जन डा. रामेश्वरी, सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

आमजन स्वास्थ्य के साथ-साथ मुख स्वास्थ्य पर भी दें ध्यान : उपायुक्त

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/लक्ष्मन शर्मा। जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ओरल हेल्थ अभियान चलाया जा रहा हे। अभियान के सफल आयोजन के लिए उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ओरल हेल्थ अभियान के तहत विभिन्न शैक्षिक कार्यशालाएं, मुफ्त दंत जांच शिविर और जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारियों को अभियान के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बैठक में ओरल हेल्थ के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि अच्छे मुख स्वच्छता अभ्यासों को अपनाने से न केवल दांत और मसूड़े स्वस्थ रहते हैं, बल्कि यह समग्र स्वास्थ्य विशेषकर दिल पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। दांतों और मसूड़ों की देखभाल से कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने आमजन से मसूड़ों की नियमित मसाज करने, तिल के तेल से मुंह की सफाई करने, नियमित रूप से दांतों की सफाई, फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट से ब्रश करने, फ्लॉसिंग करने और दंत चिकित्सक से नियमित जांच कराने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों और युवा वर्ग को बेहतर मुख स्वच्छता की आदतें अपनाने की सलाह दी ताकि उनके दांत और मसूड़े जीवन भर स्वस्थ रह सकें। उप सिविल सर्जन एवं वरिष्ठ दंत सर्जन डा. रामेश्वरी ने बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि हमें खाना खाने के बाद ब्रश अवश्य करना चाहिए। उन्होंने बच्चों को बोतल से दूध न पिलाने और बच्चों को मीठा दूध न देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अभिभावक बच्चों के दांतों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। बैठक में एसडीएम होडल बलीना, एसडीएम हथीन अप्रतिम सिंह, सीटीएम प्रीति रावत, सीएमओ डा. सतेंद्र वशिष्ठ, उप सिविल सर्जन चाइल्ड हेल्थ केयर डा. संजीव तंवर, उप सिविल सर्जन डा. रामेश्वरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध हथियार धारक व सप्लायर गिरफ्तार

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/कपिल शर्मा। जिला पुलिस द्वारा अवैध हथियार धारकों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए (ए.वी.टी) हथीन टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक अवैध हथियार धारक और हथियार सप्लाई करने वाले सोर्स आरोपी, दोनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के नेतृत्व में यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सीआईए (ए.वी.टी) हथीन टीम ने एक आरोपी से लोडेड पोना .315 बोर का अवैध हथियार बरामद किया।

सीआईए (ए.वी.टी) हथीन प्रभारी P/SI दीपक गुलिया ने बताया कि 8 अप्रैल को एएसआई पवन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त के दौरान रसूलपुर चौक पर मौजूद थी। इसी दौरान एक गुप्त सूचना मिली कि राहुल पुत्र रणबीर निवासी छातंगा थाना जैवर (यूपी) अवैध हथियार लेकर बिना नंबर की बलेनो कार में रसूलपुर पुल के नीचे बैठा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी और आरोपी को काबू कर लिया। वाहन की तलाशी लेने पर ड्राइवर सीट के नीचे से एक कारतूस से लोडेड पोना .315 बोर का हथियार बरामद हुआ। आरोपी इसके संबंध में कोई लाइसेंस या वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार और वाहन को जब्त कर लिया तथा संबंधित थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले दूसरे आरोपी हर्ष पुत्र मनोज निवासी बड़ोली को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करने की प्रक्रिया जारी है और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

शुगर मिल ने पिराई सत्र 2025-26 में बनाया नया कीर्तिमान : द्विजा

- **हरियाणा में अव्वल बनी पलवल शुगर मिल, 10.51 प्रतिशत रिकवरी के साथ रचा इतिहास।**
- **उपायुक्त के कुशल मार्गदर्शन में हासिल की गई यह उपलब्धि।**

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। पलवल शुगर मिल ने पिराई सत्र 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हरियाणा की सभी चीनी मिलों में सर्वाधिक शुगर रिकवरी हासिल कर एक नया इतिहास रच दिया है। यह उपलब्धि न केवल मिल के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे प्रदेश के सहकारी क्षेत्र के लिए भी एक मिसाल बनकर उभरी है। **बेहतर प्रबंधन और रणनीति से मिली सफलता:** उपायुक्त एवं अध्यक्ष शुगर मिल पलवल डा. हरीश कुमार वशिष्ठ के कुशल मार्गदर्शन तथा प्रबंध निदेशक द्विजा के नेतृत्व में मिल प्रबंधन द्वारा सुनियोजित रणनीति, आधुनिक तकनीकी संचालन और प्रभावी मॉनिटरिंग के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल की गई है। प्रबंधन के सामूहिक प्रयासों ने मिल के कार्यों को नई दिशा दी, जिससे उत्पादन और रिकवरी दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। **रिकवरी में रिकॉर्ड वृद्धि:** पलवल चीनी मिल की प्रबंध निदेशक द्विजा ने बताया कि पिछले पिराई सत्र 2024-25 में पूर्व प्रबंध निदेशक विकास यादव के प्रयासों से मिल की शुगर रिकवरी 9.61 प्रतिशत रही थी। उनके द्वारा किए गए सुधारात्मक कार्यों और बेहतर व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सत्र 2025-26 में शुगर रिकवरी बढकर 10.51 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो हरियाणा की सभी सहकारी चीनी मिलों में सर्वाधिक है। इस बढ़ोतरी के परिणाम स्वरूप लगभग 22 हजार क्विंटल अतिरिक्त चीनी का उत्पादन संभव हो पाया।

उत्पादन और मुनाफे में भी बढ़ोतरी: उन्होंने बताया कि इस पिराई सत्र के दौरान लगभग 23.63 लाख क्विंटल गन्ने की सफलतापूर्वक पिराई की गई, जिससे करीब 2.49 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन हुआ। बेहतर रिकवरी और कुशल संचालन के चलते मिल को चालू सत्र में लगभग 8.50 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त हुआ है, जो सहकारी क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। **किसानों और कर्मचारियों का सराहनीय योगदान:** प्रबंध निदेशक ने कहा कि इस सफलता के पीछे मिल क्षेत्र के किसानों, अधिकारियों और कर्मचारियों का अहम योगदान रहा है। सभी ने आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करते हुए पेराई सत्र को बिना किसी बाधा के सफल बनाया। तकनीकी स्तर पर समय-समय पर सुधार, मशीनरी का बेहतर रखरखाव और संचालन में दक्षता बनाए रखना इस उपलब्धि के प्रमुख कारण रहे। **गन्ना आपूर्ति और भुगतान व्यवस्था रही सुदृढ़ :** उन्होंने बताया कि गन्ना आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए किसानों के साथ निरंतर संपर्क रखा गया और समय पर इंडेंट जारी किए गए, जिससे आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा नहीं आई। इसके साथ ही मिल प्रबंधन ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 15 मार्च तक गन्ने का संपूर्ण भुगतान सुनिश्चित कर दिया, जिससे किसानों में संतोष और विश्वास का माहौल बना है। **भविष्य में भी जारी रहेंगे सुधार के प्रयास:** मिल प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए शुगर रिकवरी, उत्पादन क्षमता और वित्तीय स्थिति को और मजबूत किया जाएगा।

नशा मुक्त अभियान के बारे में छात्राओं को किया जागरूक

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा राज्य विधिक सेवाएँ प्राधिकरण के निर्देशन में जिला विधिक सेवाएँ प्राधिकरण पलवल के तत्वावधान में माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन प्राधिकरण श्रीमती राज गुप्ता व माननीय हरीश गोयल मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएँ प्राधिकरण पलवल के मार्गदर्शन में बचाव अधिवक्ता पिंकी शर्मा द्वारा राजकीय महिला वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल के माध्यम से हालसा द्वारा चलाये जा रहे अभियान नशा मुक्त भारतः एक सामुदायिक संकल्प के तहत विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को बताया कि नशा मुक्त हरियाणा अभियान एक कार्यवाही नहीं बल्कि एक जन आंदोलन है जिसका उद्देश्य

समुदाय को जागरूक करना है कि नशे की मांग को केवल परिवार, पंचायत और स्कूलों में जागरूकता फैलाकर ही रोका जा सकता है और इसका लक्ष्य सजा देने से हटाकर सुधारने या पुनर्वास पर है। बचाव अधिवक्ता पिंकी शर्मा ने बताया कि नशे की समस्या को पूरी तरह से तभी समाप्त किया जा सकता है जब हम इस समस्या को सरकार के ठीक करने का इंतजार करने के बजाय यह मानेंगे कि यह समस्या हमारी खुद की समस्या है और इसके हल करने की जिम्मेदारी भी हमारी है। उन्होने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भी इस अभियान के अंतर्गत यह सुनिश्चित करना है कि नशा करने वाले को अपराधी नहीं बल्कि पीड़ित माना जाएगा और प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर नशा मुक्ति केन्द्रों का निरीक्षण किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके ये इलाज की सुरक्षित जगहें हों, न कि यातना गृह और इलाज के दौरान पीड़ित की गरिमा बनी रहे।

उन्होने बताया कि हरियाणा में नशे की रोकथाम के लिए नमक लोटा अभियान, साइकल रैलियाँ, एवं टीम हकदार जैसी योजनाएँ चलायी जा रही हैं। उन्होने छात्राओं से अपील भी की कि यदि कोई भी व्यक्ति आपकी जानकारी में है जो नशे की लत से जूझ रहा है, तो आप इसकी सूचना नागरिक अस्पताल के सरकारी नशा मुक्ति केंद्र या हेल्पलाइन नंबर 1933 या 112 पर करें। इस जागरूकता शिविर में अधिकार मित्र सिकंदर ने व अधिवक्ता निशा बंथ ने अपना सहयोग दिया।

जनगणना 2027 के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता अभियान तेज : उपायुक्त

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने वर्ष 2027 में होने वाली जनगणना के सफल आयोजन के लिए प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता गतिविधियों को तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनगणना कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। उपायुक्त ने बताया कि भारत सरकार द्वारा जनगणना 2027 का आयोजन दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण के तहत 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात दूसरे चरण में 9 फरवरी 2027 से 28 फरवरी 2027 तक जनगणना का मुख्य कार्य संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसके माध्यम से देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं बनाई जाती हैं, इसलिए इस कार्य का सफलतापूर्वक और पारदर्शी ढंग से संपन्न होना अत्यंत आवश्यक है। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जनगणना से जुड़े प्रगणक (एन्यूमैरेटर) और सुपरवाइजर्स को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए तथा उन्हें उनके दायित्वों के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना के दौरान नागरिकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इसलिए लोगों को यह जानकारी दी जाए कि वे सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे आंकड़ों की शुद्धता बनी रहे और योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक पहुंच सके। उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना का कार्य पूर्णतः गोपनीय होता है और नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

आशा स्कीम 2025 के तहत विशेष जागरूकता शिविर आयोजित

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा राज्य विधिक सेवाएँ प्राधिकरण के निर्देशन में जिला विधिक सेवाएँ प्राधिकरण पलवल के तत्वावधान में माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन प्राधिकरण राज गुप्ता व माननीय हरीश गोयल मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएँ प्राधिकरण पलवल द्वारा एन.जी.एफ. रेडियो पलवल के माध्यम से आशा स्कीम 2025 के तहत विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य लोगों को बाल-विवाह जैसी कुरीति के बारे में जागरूक करना।

पिंकी शर्मा असिस्टेंट डिफेंस काउंसेल ने रेडियो के माध्यम से श्रोताओं को बताया कि आधुनिक समाज के विकास में बाल विवाह बड़ी चुनौती है। आज भी बाल विवाह कई समुदायों में सामाजिक परम्परा के स्वरूप में प्रचलित है। बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का एक निर्मम उल्लंघन है। सभी बच्चों को परिपूर्ण देखभाल एवं संरक्षण का अधिकार होता है भले ही वे किसी भी सामाजिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि से क्यों न हो। बाल-विवाह के कारण बच्चे अपने जीवन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा यानि अपना बचपन खो देते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 (2015-2016) की रिपोर्ट के अनुसार देश में 26.8 प्रतिशत बालिकाओं की शादी 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने से पूर्व कर दी जाती है। देश में बाल विवाह की प्रथा को रोकने तथा इससे प्रभावित बच्चों के अधिकारों के संरक्षण हेतु भारत सरकार द्वारा विशेष कानून के रूप में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 लागू किया गया है। बाल विवाह शुन्यकरणीय है, लेकिन शून्य अथवा अवैध नहीं है। इसलिए इस कुरीति की रोकथाम बहुत जरूरी है और ऐसा केवल शिक्षा एवं जागरूकता से ही संभव है। इस अवसर पर पिंकी शर्मा ने रेडियो के माध्यम से श्रोताओं को राष्ट्रीय विधिक सेवाएँ प्राधिकरण (गणतंत्र) और हरियाणा राज्य विधिक सेवाएँ प्राधिकरण (हालसा) द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनयों जैसे पीड़ित मुआवजा योजना आदि के बारे में विशेष रूप से जागरूक किया।

उन्होने बताया कि कई बार जानकारी के आभाव में सामान्यजन सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ नही उठा पाते हैं ऐसी स्थिति में पात्र व्यक्तियों को इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पता है। इसीलिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पलवल द्वारा समय-समय पर विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है।

युवक को हाईवे पर 50 मीटर घसीटते हुए ले गई कार, मौत

जींद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। दिल्ली-जम्मू-कटरा हाईवे पर बुधवार की रात खाना खाकर टहल रहे तेलीखेड़ा गांव निवासी बलराज देशवाल को एक अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार बलराज को 59 मीटर तक घसीटते ले गई। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। तेलीखेड़ा गांव निवासी जितेंद्र ने बताया कि उसके भाई बलराज की डेढ़ साल पहले ही शादी हुई थी। 18 दिन पहले ही वह बेटे का पिता बना था। पिता बनने की खुशी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारी में बलराज जुटे हुए थे। जितेंद्र ने बताया कि बुधवार की रात वे खाना खाकर हाईवे पर टहलने चले गए। इसी बीच हादसे का शिकार हो गए। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद आरोपी चालक गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला। सूचना पाकर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी आशीष ने बताया कि पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। अज्ञात कार चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

अवैध कॉलोनियों पर बड़ी कार्रवाई, कई एकड़ में निर्माण किए ध्वस्त

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। जिला नगर योजनाकार पलवल अनिल मलिक के निर्देशन में जिला में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में 8 एवं 9 अप्रैल 2026 को विभिन्न गांवों में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों पर तोडफोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई। कार्रवाई के दौरान गांव किठवाड़ी, बामनीखेड़ा और कुशलीपुर क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया। इन स्थानों पर लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में बने करीब 40 डीपीसी, बाउंड्री वॉल और रोड नेटवर्क को तोड़ा गया। इसके अतिरिक्त बामनीखेड़ा में करीब 6 एकड़ तथा कुशलीपुर में लगभग 2.5 एकड़ क्षेत्र में अवैध निमार्णों को हटाया गया, जिसमें डीपीसी, बाउंड्री वॉल, सडक नेटवर्क तथा बिजली के खंभे शामिल थे। इसी प्रकार 9 अप्रैल को गांव सोलड़ा में भी अवैध रूप से काटी गई 4 कॉलोनियों पर कार्रवाई की गई। यहां

लगभग 22 से 25 एकड़ क्षेत्र में करीब 150 डीपीसी, 10 से 15 बाउंड्री वॉल तथा विकसित किए जा रहे रोड नेटवर्क को ध्वस्त किया गया। यह पूरी कार्रवाई हरियाणा शहरी क्षेत्र अधिनियम, 1975 के तहत की गई। अभियान के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट, जिला नगर योजनाकार कार्यालय का फील्ड स्टाफ तथा पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा, जिससे कार्रवाई को सुचारू रूप से अंजाम दिया जा सका। जिला नगर योजनाकार अनिल मलिक ने बताया कि विभाग द्वारा अवैध कॉलोनियों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार सख्ती बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से कॉलोनियां काटने वाले प्रॉपर्टी डीलरों और भू-मालिकों के मंसूबों को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा और समय रहते ऐसे निमार्णों को ध्वस्त किया जाता रहेगा।

होड़ल में सत्यजय टाईम्स हिन्दी दैनिक

समाचार पत्र प्राप्त करने एवं समाचार, विज्ञापन बेदखली, जमीन-जायजाद संबंधित, नाम परिवर्तन, सार्वजनिक सूचना, नगर परिषद संबधी सभी प्रकार के सस्ते रेट पर विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।

अग्रवाल न्यूज एजेंसी

सम्पर्क सूत्र -

अमित अग्रवाल

+919254588483, +9197282 84058

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, संचालकों सहित 6 गिरफ्तार

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने दिल्ली के तिलक नगर में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 7 अप्रैल को 6 आरोपितों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मो. असलम रजा, रोहित कुमार, सचिन मित्तल, मुकेश गुप्ता, राहुल मंगोलपुरी और शुभम के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, त्रिखा कॉलोनी, फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में शिकायत दी, जिसमें उसने बताया कि उसने फ्यूचर जर्नली इंश्योरेंस सॉल्यूशंस से एक पॉलिसी ली थी। 3 सितंबर 2025 को उसे एक कॉल आई, जिसमें खुद को इंश्योरेंस कंपनी के वैरिफिकेशन विभाग का कर्मचारी बताकर उसे बताया गया कि पॉलिसी पर 93,525 रुपये का बोनस मिल रहा है, जो एजेंट द्वारा क्लेम किया जा रहा है। अगर शिकायतकर्ता खुद यह क्लेम करेगा तो एक डमी पॉलिसी लेनी होगी, जिसके लिए 36,000 रुपये भेजने के लिए कहा गया। शिकायतकर्ता ने आरोपियों की बातों में आकर 36,000 रुपये उनके बताए खाता में भेज दिए। इसके बाद लगातार इंश्योरेंस कंपनी के कथित कर्मचारियों द्वारा उसे फोन किया गया और पॉलिसी प्री-मैच्योर करके सारे पैसे दिलवाने के नाम पर उससे कुल 7,70,630 रुपये ऐठ लिए। इस पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में यह सामने आया कि तिलक नगर, दिल्ली स्थित कॉल सेंटर को असलम, रोहित और सचिन चला रहे थे। उन्होंने एक बिल्डिंग के दो फ्लोर किराए पर लेकर फर्जी कॉल सेंटर स्थापित किया था। घटना के समय यह कॉल सेंटर सुभाष नगर, दिल्ली में चल रहा था। असलम, रोहित और सचिन ने शिकायतकर्ता से पैसे ठगे थे, जबकि बाकी तीन आरोपित मुकेश, राहुल और शुभम कॉल सेंटर में सैलरी पर कॉलर के तौर पर काम कर रहे थे।

जिला स्तरीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता कल से

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। महाबीर सामुदायिक केंद्र, एन. आई. टी. 2, फरीदाबाद में 'फरीदाबाद जिला किकबॉक्सिंग संघ' के तत्वावधान में दो दिवसीय "25वीं रजत जयंती जिला स्तरीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता" कल से प्रारम्भ होगी। संतोष कुमार अग्रवाल, फरीदाबाद जिला किकबॉक्सिंग संघ के संस्थापक महासचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में फरीदाबाद जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 300 खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को आगामी राज्यस्तरीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। फरीदाबाद जिला किकबॉक्सिंग संघ के जिला अध्यक्ष राज कुमार अग्रवाल ने बताया कि उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक, एन. आई. टी. सतीश कुमार फागना उपस्थित रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता आनंद मेहता, जिलाध्यक्ष क्रीड़ा भारती फरीदाबाद करेंगे। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय कवि दिनेश रघुवंशी, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के प्राचार्य संजीव कुमार गुप्ता, और रोटरी क्लब फरीदाबाद संस्कार के अध्यक्ष बृजभूषण गोयल भी उपस्थित रहेंगे। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक बड़खल फरीदाबाद धनेश अदलखा और विशिष्ट अतिथियों के रूप में फरीदाबाद के प्रसिद्ध ज्योतिषी डॉ. पंकज निर्मल तथा मारवाड़ी युवा मंच फरीदाबाद के सचिव महेश अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। किकबॉक्सिंग के इस बड़े आयोजन में किकबॉक्सिंग रेफरी के रूप में अरविन्द शेरवालिया, जसवंत सिंह, सुधीर, रितेश गुलिया, शिवानी गुप्ता, प्रिया वर्मा, राम भंडारी, लक्ष्मण दास, सचिन, बलविंदर, और मनीष कुमार अपनी सेवाएं देंगे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को न केवल अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा, बल्कि किकबॉक्सिंग के क्षेत्र में उन्हें और आगे बढ़ने का मौका भी मिलेगा।

मारपीट और धमकी मामले में किशोर सहित दो आरोपी गिरफ्तार

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/कपिल शर्मा। थाना कैंप पलवल पुलिस ने मारपीट और धमकी देने के मामले में एक किशोर और एक वयस्क आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त बेल्ट भी बरामद की गई। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में जिला पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में चौकी किठवाड़ी पुल पुलिस ने कृष्णा कॉलोनी के किशोर पीड़ित से हुई शिकायत के आधार पर कार्रवाई की। चौकी किठवाड़ी पुल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि 4 अप्रैल को पीड़ित किशोर, जो दसवीं कक्षा का छात्र है, जिम से लौटते समय अपने दोस्तों द्वारा रास्ता रोककर उसके साथ बेल्टों से मारपीट की गई और उसे धमकाया गया। इस वारदात का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। प्रभारी चौकी ने कहा कि शिकायत के आधार पर सभी सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और आरोपी दीपक तथा एक किशोर को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा आरोपी दीपक से वारदात में प्रयुक्त बेल्ट भी बरामद की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि आरोपियों के खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है और इस वारदात में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

जनभागीदारी और जन जागरूकता से भारत 2030 तक होगा सर्वाइकल कैंसर मुक्त : उपायुक्त

कहा- जिले में एचपीवी अभियान के तहत सभी पात्र किशोरियों को किया जाएगा कवर

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/लक्ष्मन शर्मा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जिला में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला पलवल में 14 वर्ष से उपर और 15 वर्ष से नीचे आयु वर्ग की 10936 किशोरियों का टीकाकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन अभियान की तैयारियों और अभियान के सफल संचालन को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण को संपूर्ण देश में लागू करने जा रहा है, जिसका उद्देश्य सर्वाइकल/ग्रीवा कैंसर को समाप्त करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला में एचपीवी अभियान के तहत सभी पात्र किशोरियों कवर किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे टीकाकरण के समय आधार लिंक नंबर अपने पास रखें जिस पर ओटीपी आएगा और यह टीकाकरण के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एचपीवी अभियान का उद्देश्य किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव प्रदान करना है। इसके तहत जिला में 14 वर्ष से 15 वर्ष आयु से नीचे वर्ग की लगभग 10936 किशोरियों का टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य भारत को 2030 तक सर्वाकल कैंसर मुक्त करना है, जो सभी के सहयोग से ही संभव है।

निशुल्क लगाई जाएगी 8,000 से 10000 रुपये कीमत वाली वैक्सीन :उपायुक्त ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बाजार में लगभग 8,000 से 10000 रुपये की कीमत वाली यह वैक्सीन किशोरियों को निःशुल्क लगाई जाएगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे विद्यालयों में कैंप लगाकर निर्धारित आयु वर्ग की किशोरियों का टीकाकरण करवाना सुनिश्चित करें और इस बारे अधिक से अधिक जागरूकता फैलाएं। उन्होंने कहा कि एचपीवी पूरी तरह टेस्टिड है और इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है। उन्होंने कहा कि टीकारण से पूर्व अभिभावकों से स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर लें। उन्होंने जिला महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत विभाग, जिला शिक्षा विभाग, आंगनवाड़ी वर्करों को घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए ताकि टीकाकरण का शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पात्र किशोरियों की विस्तृत सूची समय पर उपलब्ध कराएं, ताकि टीकाकरण अभियान में किसी भी योग्य लाभार्थी को वंचित न रहना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने पीटीएम (अभिभावक-शिक्षक बैठक) के माध्यम से अभिभावकों को जागरूक करने पर जोर दिया, जिससे टीकाकरण को लेकर किसी प्रकार की भ्रांति न रहे। टीकाकरण के उपरांत किशोरियों के परिजनों के संपर्क नंबर अवश्य नोट किए जाएं और उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

माल ढुलाई में रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में रेलवे

नई दिल्ली, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। भारत की अर्थव्यवस्था को गति देने में भारतीय रेलवे की भूमिका आने वाले वर्षों में और ज्यादा अहम होने वाली है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश ने 2030 तक 3,000 मिलियन टन माल ढुलाई क्षमता हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। जिसमें रेलवे की बड़ी भूमिका होगी। एसोचैम-एईएससीएलए की रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी करीब 30 फीसदी है। जो आगे बढ़ने की बड़ी संभावनाएं दिखाती है। रेलवे सेक्टर इस समय तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जैसी बड़ी परियोजनाओं और लगभग पूरी हो चुकी विद्युतीकरण प्रक्रिया से रेलवे की कार्यक्षमता बढ़ी है और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी मजबूत हुई है। इन सुधारों की वजह से अब माल ढुलाई पहले से ज्यादा तेज, सस्ती और भरोसेमंद हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए क्षमता बढ़ाना, फ्रेट कॉरिडोर का विस्तार, निजी क्षेत्र की भागीदारी और बेहतर लास्ट माइल कनेक्टिविटी पर खास ध्यान देना जरूरी है। साथ ही लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना भी बेहद जरूरी है।

1514 स्कूलों के लिए वेब एप लॉन्च

नई दिल्ली, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। एमसीडी ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा डिजिटल कदम उठाते हुए अपने 1514 स्कूलों के लिए एक अत्याधुनिक वेब एप लॉन्च किया है। इस एप के जरिए अब अभिभावक घर बैठे ही अपने बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति, गृहकार्य और स्कूल गतिविधियों की पूरी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

इस अवसर पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने 500 प्रतिभाशाली छात्रों को 1000-1000 रुपये की छात्रवृत्ति भी एक क्लिक के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की। यह छात्रवृत्ति सनग्रो कंपनी के सहयोग से प्रदान की गई। कार्यक्रम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। महापौर ने कहा कि इस वेब एप के माध्यम से अभिभावक अपने बच्चों की दैनिक उपस्थिति, गृहकार्य, कक्षाकार्य और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी रियल टाइम में देख सकेंगे। इससे स्कूल और अभिभावकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित होगा और बच्चों की पढ़ाई पर अधिक प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि बीते एक वर्ष में शिक्षा के क्षेत्र में कई योजनाएं शुरू की गई हैं और यह वेब एप उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि निगम के पास समर्पित और कुशल शिक्षकों की मजबूत टीम है, जो बच्चों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और निगम इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

गेहूं खरीद के नए नियमों से किसान परेशान : अर्जुन चौटाला

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/कपिल शर्मा। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के विधायक अर्जुन चौटाला ने कहा कि पार्टी द्वारा हरियाणा प्रदेश की अनाज मंडियों में किसान कष्ट निवारण केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनका उद्देश्य मंडियों में आने वाले किसानों की समस्याओं का समाधान करना और सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना है।

वीरवार को अर्जुन चौटाला ने पलवल अनाज मंडी का दौरा किया और वहां मौजूद किसानों से गेहूं की फसल खरीद के दौरान आ रही समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। किसानों ने उन्हें बताया कि नई खरीद नीतियों और प्रक्रियाओं के कारण उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अर्जुन चौटाला ने कहा कि सरकार द्वारा गेहूं खरीद को लेकर बनाए गए नए नियम किसानों के लिए परेशानी का कारण बन गए हैं। उन्होंने कहा कि इन नियमों के लागू होने से मंडियों में अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई है और किसानों को अपनी फसल बेचने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल की विचारधारा आज भी लोगों के बीच जीवित है। चौधरी देवीलाल ने हमेशा राजनीति से ऊपर उठकर समाज की सेवा की और किसानों को सामाजिक व आर्थिक न्याय दिलाने का कार्य किया। उन्हीं की सोच पर चलते हुए इनेलो आज भी किसानों के हितों के लिए संघर्ष कर रही है। इनेलो विधायक ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा करना पार्टी का मुख्य एजेंडा है। सत्ता में नहीं होने के बावजूद इनेलो ने प्रदेश के सभी जिलों की मंडियों में किसान कष्ट निवारण केंद्र स्थापित किए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से किसान अपनी समस्याएं सीधे पार्टी कार्यकताओं तक पहुंचा सकते हैं और उनका समाधान कराने का प्रयास किया जाता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इनेलो पार्टी के कार्यकर्ता मंडियों में धरना-प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, बल्कि किसानों की मदद करने के उद्देश्य से वहां मौजूद रहते हैं। यदि किसी किसान को गेहूं खरीद के दौरान कोई परेशानी आती है तो वह इनेलो कार्यकताओं को अपनी समस्या बता सकता है, और कार्यकर्ता मिलकर उसका समाधान करने का प्रयास करेंगे। अर्जुन चौटाला ने दावा किया कि पार्टी द्वारा स्थापित इन कष्ट निवारण केंद्रों के कारण प्रदेश की मंडियों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है और किसानों को राहत मिल रही है।

एसवीएसयू में विश्व स्तरीय लैंग्वेज लैब का उद्घाटन

छात्रों को मिलेगा अंग्रेजी कौशल निखारने का मौका

पलवल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/कपिल शर्मा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (एसवीएसयू) में बृहस्पतिवार को विश्व स्तरीय लैंग्वेज लैब का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अत्याधुनिक लैब के निर्माण पर लगभग 50 लाख रुपये से अधिक की लागत आई है। इसका उद्घाटन प्रोफेसर भीम सिंह दहिया ने किया।

इस लैब की स्थापना में HDFC Bank ने अपने उरफ के तहत सच फाउंडेशन के माध्यम से सहयोग दिया है, जिसके अंतर्गत आधुनिक तकनीक से लैस कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने इस पहल को एक बड़ी उपलब्धि बताया। उद्घाटन समारोह में प्रोफेसर भीम सिंह दहिया ने कहा कि यह लैब विद्यार्थियों के लिए एक अनमोल उपहार है। इसके माध्यम से छात्र अपनी कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर बना सकेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को भाषा का नियमित अभ्यास करने और उसे दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यदि भाषा का उपयोग नहीं किया जाए, तो वह धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार वह रोहतक के एक पिछड़े गांव से निकलकर अमेरिका पहुंचे और अंग्रेजी में शोध करने के साथ-साथ अमेरिकियों को अंग्रेजी पढ़ाने का गौरव हासिल किया। उनके प्रेरणादायक अनुभवों ने विद्यार्थियों को काफी प्रभावित किया।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने प्रोफेसर दहिया का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर दहिया जैसे विद्वानों के मार्गदर्शन में कई पीढ़ियों ने अंग्रेजी सीखी है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह लैंग्वेज लैब विद्यार्थियों के भाषाई कौशल को बेहतर बनाने में मील का पत्थर साबित होगी। अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी संकाय की डीन प्रोफेसर सुचित्रा वशिष्ठ ने बताया कि यह लैब अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार की गई है। उन्होंने एचडीएफसी बैंक के सहयोग के लिए शाखा प्रबंधक गोपाल मिश्रा को सम्मानित भी किया।

लैब इंचार्ज मीनाक्षी कौल ने अतिथियों को लैब की विशेषताओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भावना रूपराई ने किया, जबकि डॉ. नकुल ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने जर्मन और जापानी गीत व कविताओं के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया और विभिन्न संस्कृतियों पर आधारित प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री की रैली में भेजा खाली ऑक्सीजन सिलिंडर

नर्सिंग अधिकारी पर गिरी गाज

जींद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मुख्यमंत्री की ड्यूटी में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से पांच अप्रैल को आयोजित मुख्यमंत्री की रैली में खाली ऑक्सीजन सिलिंडर भेज दिया गया। चूक का पता चला तो आनन-फानन दूसरा सिलिंडर मंगवाया गया। सीएमओ और सीआईडी की जांच में लापरवाही की पुष्टि होने पर संबंधित नर्सिंग अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगमन से पहले जिमखाना क्लब में उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विशेष चिकित्सीय व्यवस्थाएं की गई थीं। एंबुलेंस, ऑक्सीजन सिलिंडर व अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरण पहले से रखने के निर्देश दिए गए थे लेकिन इसी बीच सीनियर नर्सिंग अधिकारी की ओर से भेजा गया ऑक्सीजन सिलिंडर खाली निकला। मामले का खुलासा तब हुआ जब सीएमओ और सीआईडी टीम ने मौके पर व्यवस्थाओं की जांच की। स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत हड़बड़ाहट में एंबुलेंस भेजकर भरा ऑक्सीजन सिलिंडर मंगवाया। घटना को लेकर विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। अगर समय रहते जांच न होती तो लापरवाही किसी बड़े जोखिम का कारण बन सकती थी।

वहीं, इस घटना ने वीआईपी ड्यूटी के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। संबंधित नर्सिंग अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारियों को पत्र लिख दिया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

शेष पेज एक...

राजनैतिक चटखारे

बात कह गए तो सबंधित मंत्री ने इसको बृद्धाश्रम की संज्ञा तक दे डाली, इसके बाद जहां बुधवार को चंडीगढ में हाईपावर परचेज कमेटी के दौरान भी इस विभाग को लेकर मुखिया जी की तीखी टिप्पणी रहीं, वहीं चर्चाओं में यह भी बात आ रही है कि प्राधिकरण की बैठकों में स्वीकृत कामों के टैंडरों में ही महीने नहीं सालों का समय लग रहा है?

सबसे बडी बात जो कि स्थानीय निकाय विभाग या कहें कि नगर निगम के अधिकारियों में इस प्राधिकरण को लेकर है वह यह है कि जिस काम निगम के नियमित अधिकारी लाखों में कराते हैं, इस विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी करोडों में कराते हैं, उसके बाद भी उन कामों के गुणवत्ता पर उंगली उठने लगी हैं, सरकार ने प्राधिकरण के कई कामों की विजिलेंस के जांच के आदेश दिए हैं, जिनमें से कुछ कामों पर जांच शुरु भी हो गई है, जिसके बाद अब यह चर्चा चल पडी है कि जिस प्रकार से एक के बाद एक प्राधिकरण के कामों की विजिलेंश जांच चल रही है,तो क्या सरकार ने प्राधिकरण के अधिकारियों पर कार्रवाई का मन बना लिया है? असल में प्रदेश के मुखिया जी व सबंधित मंत्री दोनों ही विभाग के अधिकारियों से खासे नाराज बताए जाते हैं?

अप्रैल में लोग ले रहे हैं हिल स्टेशन का आनंद?

मार्च माह आते ही लोगों को गर्मी का डर सताने लगता है तथा ए.सी. व अन्य उपकरणों को प्रयोग के लिए तैयार कर लिया जाता है, लेकिन एनसीआर में दस अप्रैल तक भी लोग हिल स्टेशनों की फीलिंग ले रहे हैं, असल में रोजाना सी ही हो रही बरसात ने वेशक किसानों की परेशानी बढा दी है, मंडियों में या तो गेंहु आ नहीं रहा है और आ रहा है तो उसकी गुणबत्ता का हवाला देकर उसको खरीदा नहीं जा रहा है, विपक्षी दल इसी गेहुं को लेकर राजनीति कर कर रहे हैं, किसानों की तरफ से मुआवजे की मांग आने लगी है, लेकिन शहरी क्षेत्रो में अभी लोगों ने अपने सर्दी के कपडों को पैक कर रखना रोक दिया है, क्योंक सुबह शाम के समय पर अभी लोगों को हल्की ठंड महसूस हो रही है, लोगों का मानना है कि ऐसा मौका भी वह पहली बार देख रहे हैं जब अप्रैल माह में ठंड महसूस हो रही है?

दो वरिष्ठ आईएएस सस्पेंड ....

में निर्धारित किया गया है। इसी तरह, प्रदीप कुमार-1, आईएएस (एचवाई 2011), जो राज्य परिवहन विभाग में निदेशक और परिवहन विभाग में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत थे, को भी निलंबित किया गया है। उनके निलंबन के दौरान मुख्यालय भी मुख्य सचिव, हरियाणा के कार्यालय (सर्विसेज-1 शाखा), चंडीगढ़ में रहेगा। बताया जा रहा है कि दोनों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़े करीब 590 करोड़ रुपये के घोटाले में उनकी भूमिका को लेकर की गई है। सरकार द्वारा की गई इस कार्रवाई को प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा को ...

से कार्रवाई करते हुए बम निरोधक दस्तों और खोजी कुत्तों की इकाइयों के साथ मिलकर विधानसभा परिसर, सचिवालय, चिह्नित स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों पर व्यापक जांच शुरू की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि ईमेल फर्जी थे, लेकिन जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि ईमेल में उल्लिखित सभी स्थानों की जांच की जा रही है, संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया गया है और प्रवेश और निकास स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। ईमेल के स्रोत का पता लगाने और प्रेषक की पहचान के लिए साइबर टीमों को लगाया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

गैस सिलेंडर फटा, 4 बच्चों सहित ...

सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और 5 बच्चों व एक महिला को जगाधरी सिविल अस्पताल ले जाया गया। बाद में उनकी गंभीर हालत को देखते हुए आठ लोगों को PGI रेफर किया गया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है कि गैस ट्रांसफर के दौरान आखिर ऐसी खतरनाक स्थिति कैसे बनी।

वहीं, घायलों के परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। हादसे में घायल गुड़िया ने बताया कि उसकी बहन सुभांति (10), शांति (5), क्रांति (4), सिमरन और उनकी मां रीना देवी सभी ब्लास्ट की चपेट में आकर झुलस गए हैं। वह खुद घर से सुबह खाना खाकर फैक्ट्री काम पर गई थी, तभी यह हादसा हो गया।

'तटीय राज्यों ने चुनौती को अवसर...

वाले विधायक ही अपने राज्यों में प्रभावशाली नेता बनते हैं।

बिरला ने यह भी कहा कि देश के जीडीपी में सबसे बड़ा योगदान गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा जैसे तटीय राज्यों का है। इस सम्मेलन में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, गोवा और महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष गणेश गाओंकर और राहुल नार्वेकर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सम्मेलन का उद्देश्य संसदीय सहयोग को मजबूत करना, सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना और क्षेत्रीय विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा करना है। इसमें ह्य2047 तक विकसित भारत में युवा विधायकों की भूमिका, व्यापार, पर्यटन, शहरीकरण, पर्यावरण और तटीय कनेक्टिविटीह्न जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है।

गौरतलब है कि उढअ इंडिया रीजन जोन-श्क्क में गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र की विधानसभाएं शामिल हैं। 2024 में रीजन के पुनर्गठन के बाद यह इस जोन का पहला सम्मेलन है, जिसमें तीनों राज्यों के विधायक भाग ले रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर ने संयुक्त कार्रवाई ....

पहला परिचालन क्षेत्र को संदर्भित करता है। वहीं दूसरा उन सभी छह क्षेत्रों - भूमि, वायु, समुद्री, साइबर, अंतरिक्ष और संज्ञानात्मक को शामिल करता है जो एक साझा वातावरण में काम करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये क्षेत्र अब पृथक नहीं हैं बल्कि गतिशील तालमेल के माध्यम से काम करते हैं। उन्होंने कहा, "एमडीओ में, युद्धक्षेत्र अब मानचित्र पर खींची गई एक रेखा मात्र नहीं है। यह एक 3डी परिदृश्य है - साइबर प्रभाव संज्ञानात्मक स्थान को आकार देते हैं। अंतरिक्षीय संसाधन लक्ष्यों को संकेत देते हैं।

वहीं, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध एक साथ हर आवृत्ति का मुकाबला करता है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कमांडरों को सामरिक से लेकर रणनीतिक स्तर तक, विभिन्न क्षेत्रों में स्थितिजन्य जागरूकता विकसित करनी चाहिए। जनरल द्विवेदी ने आगे कहा, "यह जमीनी खुफिया नेटवर्क, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) से मिली जानकारियों का मेल था जिसने सेना और वायु सेना की संयुक्त कार्रवाई को लक्ष्य निर्धारित करने में मदद की, वहीं नौसेना की तैनाती में बदलाव ने रणनीतिक गणना को आकार दिया। किसी एक क्षेत्र ने इस अभियान का फैसला नहीं किया।"

असम-पुदुचेरी में 2021 के मुकाबले ...

जलेश्वर विधानसभा सीट पर हुआ था। वहीं, सबसे कम वोटिंग गुवाहाटी पूर्व सीट पर हुई थी। जलेश्वर सीट पर 93.65% वोटिंग हुई थी। वहीं, गुवाहाटी पूर्व सीट पर 71.4% लोगों ने वोट डाला था। 30 विधानसभा सीटों वाली पुदुचेरी में कुल 294 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं। यहां के 9.50 लाख मतदाता इन उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे।

पुदुचेरी में पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। यहां 4.46 लाख पुरुष मतदाता हैं। पुदुचेरी में महिला मतदाताओं की संख्या 5.03 है। सुचारू मतदान के लिए इस केंद्र शासित प्रदेश में 1,099 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 2021 के चुनाव की बात करें तो यहां 83.28% वोटिंग हुई थी। यानम विधानसभा सीट पर सबसे ज्यादा 92.31% मतदात हुआ था। वहीं, राजभवन विधानसभा सीट पर सबसे कम 73.93% वोटिंग हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

जर्जर सड़क से बढ़ी परेशानी

सोहना, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/अशोक गर्ग। सोहना क्षेत्र के गांव खत्रिका निवासी रामबक्श यादव ने सोहना से बल्लभगढ़ वाया सिरमथला जाने वाली पीडब्ल्यूडी बी एंड आर सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि घंघौला से सिरमथला होते हुए कबूलपुर (फरीदाबाद) तक सड़क पूरी तरह टूटी हुई है, जिससे आम नागरिकों का आना-जाना बेहद मुश्किल हो गया है।

रामबक्श यादव के अनुसार, सड़क के दोनों ओर वर्म (किनारे) पर कांटेदार झाड़ियां उग आई हैं, जिससे सड़क की चौड़ाई 18 फीट के बजाय घटकर करीब 15 फीट रह गई है। इस समस्या की जानकारी कई बार संबंधित विभाग को दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने मांग की है कि विभाग या तो सड़क की तुरंत मरम्मत कराए या नई सड़क का निर्माण करवाए। साथ ही जेसीबी मशीन से सड़क के दोनों ओर कम से कम एक-एक मीटर तक सफाई कराई जाए, ताकि आवागमन सुचारू हो सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोहना से फरीदाबाद जाने के लिए यह मार्ग सबसे छोटा और टोल-फ्री होने के कारण अत्यधिक व्यस्त रहता है। ऐसे में सड़क की खराब स्थिति दुर्घटनाओं को भी न्योता दे रही है। गौरतलब है कि इस मार्ग के आसपास तेजी से औद्योगिक और व्यावसायिक विकास हो रहा है। राहका गांव के पास करीब 300 एकड़ में बड़े वेयरहाउस जैसे Amazon और Croma के प्रोजेक्ट बन रहे हैं, साथ ही Taj Hotels की एक शाखा भी निमार्णाधीन है। इसके अलावा खत्रिका गांव में प्राडोज कंपनी और गणेश कॉम्प्लेक्स सहित अन्य बड़े प्रोजेक्ट भी विकसित हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि बढ़ते ट्रैफिक और विकास को देखते हुए इस सड़क को चार लेन में विकसित किया जाए, ताकि भविष्य में लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके।

मुख्य सचिव ने दिए लंबित फाइलों को 15 दिन में निपटाने के निर्देश

चंडीगढ़, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा सरकार ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सभी विभागों, बोर्डों, निगमों तथा स्वायत्त संस्थाओं को सीएफएमएस एवं टीआईएस पोर्टल पर लंबित फाइलों की समीक्षा कर उन्हें 15 दिनों के भीतर निपटाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार, वर्ष 2025 और 2026 से संबंधित बड़ी संख्या में फाइलें पोर्टल पर पेंडिंग श्रेणी में दर्ज हैं। इनमें से कई फाइलें भौतिक रूप से निपटाई जा चुकी हैं, लेकिन उनकी स्थिति पोर्टल पर अपडेट नहीं की गई है, जिसके कारण लंबित मामलों की संख्या वास्तविकता से अधिक दिखाई दे रही है। सरकार ने सभी विभागों को ऐसी फाइलों की स्थिति तुरंत अपडेट करने के निर्देश दिए हैं, ताकि सही आंकड़ों के आधार पर निगरानी और मूल्यांकन किया जा सके। इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों और निगमों के प्रबंध निदेशकों, मंडलायुक्तों तथा उपायुक्तों को 15 दिनों के भीतर यह कार्य पूरा करने को कहा गया है। निर्धारित समयावधि के बाद पोर्टल पर दर्शाए गए लंबित मामलों के आंकड़ों को अंतिम और प्रमाणिक माना जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में सभी फाइलों की स्थिति नियमित रूप से पोर्टल पर अपडेट की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की विसंगति न रहे और फाइलों की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन किया जा सके।

तोड़फोड़ करने पर अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध अभियोग अंकित

चंडीगढ़, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। गुरुग्राम जिला के आईएमटी मानेसर में कुछ लोगों द्वारा हड़ताल के दौरान निजी कंपनी में तोड़फोड़ की गई । पुलिस द्वारा समझाने पर भी वे नहीं माने और आरोपियों ने पुलिस बल पर पथराव किया। इसके अलावा कुछ निजी व सरकारी वाहनों को नुकसान भी पहुंचाया गया। इसके बाद पुलिस बल द्वारा कानून व्यवस्था को नियंत्रण में रखने के लिए भीड़ पर हल्का बल प्रयोग किया गया। तोड़फोड़ करने, सरकारी व निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा पुलिस पर पथराव करने पर थाना आईएमटी मानेसर, गुरुग्राम में अज्ञात लोगों के विरुद्ध अभियोग अंकित किया गया है। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि गुरुग्राम पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था को नियंत्रण में रखने के लिए समुचित संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है तथा स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण तथा नियंत्रण में है। पुलिस ने श्रमिकों से अपील है कि किसी भी शरारती तत्व के बहकावे में ना आएं तथा सभी श्रमिक नियमित रूप से अपनी अपनी कंपनियों में काम करें।

देह व्यापार: तीन महिलाओं को किया रेस्क्यू, तीन आरोपी गिरफ्तार

ऊना, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हिमाचल प्रदेश ऊना जिला मुख्यालय में गुरुवार को पुलिस ने हमीरपुर-ऊना सड़क किनारे एक ढाबे व गेस्ट हाउस में देह व्यापार के रैकेट का पदार्फाश किया। शहर के एक निजी गेस्ट हाउस में छापा मारकर पुलिस ने तीन महिलाओं को रेस्क्यू किया, जबकि मौके से तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है। मामले में गेस्ट हाउस संचालक की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। पुलिस को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि शहर के एक निजी गेस्ट हाउस में देह व्यापार का धंधा चल रहा है। कई बार इस संबंध में शिकायतें भी पुलिस तक पहुंची थीं। इसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए निगरानी शुरू की। पुलिस की संयुक्त टीम ने कई दिनों तक गेस्ट हाउस की गतिविधियों पर नजर रखी और पुख्ता सूचना मिलने के बाद बुधवार को योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी। पुलिस टीम ने गेस्ट हाउस में दबिश दी तो वहां से तीन महिलाओं को तुरंत पुलिस सुरक्षा में लेकर रेस्क्यू किया गया। वहीं मौके पर मौजूद तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कमरों की तलाशी के दौरान आपत्तिजनक सामग्री, मोबाइल फोन और अन्य सामान भी कब्जे में लिया है। पुलिस अधीक्षक सचिन हिरेमेठ ने बताया कि पुलिस को पहले से इस अवैध गतिविधि की सूचना मिल रही थी। इसके बाद संयुक्त टीम का गठन कर कार्रवाई की गई। गेस्ट हाउस संचालक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। यदि जांच में उसकी संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाएगा। महिलाओं से भी पूछताछ की जा रही है।

बाबा साहेब की मूर्ति खंडित, गांव में तनाव का माहौल

कलानौर, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। खंड के गांव खैरड़ी में अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति को खंडित कर दिया गया। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, देर रात मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने इस वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। यह पूरी घटना पास के सरकारी स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, हालांकि बाइक का नंबर और आरोपियों की पहचान अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

ग्रामीणों ने मौके पर खंडित मूर्ति को देखा तो रोष प्रदर्शन शुरू हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी राकेश कुमार, थाना प्रभारी सतपाल सिंह सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। साथ ही कई सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के कार्यकर्ता भी घटनास्थल पर जुटने लगे। ग्रामीण बलजीत अलडिया, मनोज अलडिया,के अनुसार, जिस स्थान पर यह घटना हुई है, वहां पहले ह्लसद्भावना स्थलह्व बनाया गया था। बाद में गठबंधन सरकार के दौरान पूर्व सरपंच भूपेंद्र सेहरावत द्वारा कम्यूनिटी सेंटर का निर्माण करवाकर उसका नाम चौधरी देवीलाल के नाम पर रखा गया। इसके बाद गांव में असंतोष पैदा हो गया था।

आमजन तक सरकारी सेवाएं उपलब्धता में हरियाणा की गिनती देश के राज्यों में अव्वल : राज्यपाल

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन

चंडीगढ़, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि निर्धारित समय अवधि में आमजन तक सरकारी सेवाएं उपलब्ध करवाने में हरियाणा देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है, जो कि हम सबके लिए गर्व की बात है। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने यह बात आज लोक भवन हरियाणा में हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के विमोचन अवसर पर कही। उन्होंने सरकार द्वारा लागू ऑटो अपील सिस्टम की भी सराहना की, जिसके कारण निर्धारित समय अवधि गुजरते ही आवेदन स्वचालित रूप से अपील में बदल जाता है और समाधान के लिए उच्च अधिकारियों की जानकारी में पहुंच जाता है। प्रो. असीम कुमार घोष ने आयोग, राज्य सरकार तथा इस प्रयास से जुड़े सभी अधिकारियों को सार्वजनिक सेवा वितरण को सुदृढ़ करने के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार इस

- **निर्धारित समय अवधि में आमजन को शत-प्रतिशत सेवाएं उपलब्ध करवाने वाले अधिकारियों को किया गया सम्मानित।**

बात पर जोर दिया है कि शासन केवल प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे वास्तविक परिणामों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि केवल फाइल का आगे बढ़ना कार्य की पूर्णता नहीं माना जा सकता, जब तक कि शिकायत का समाधान तार्किक निष्कर्ष तक न पहुंचे।

राज्यपाल ने यह भी रेखांकित किया कि शिकायत निवारण लोकतंत्र का एक प्रमुख स्तंभ है, जहां प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध और सार्थक उत्तर मिलना चाहिए, और जहां प्रौद्योगिकी एवं सुशासन मिलकर सार्वजनिक सेवा के सशक्त माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि प्रभावी शासन पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध सेवा वितरण

पर आधारित होता है। हरियाणा राइट टू सर्विस ढांचा इन सिद्धांतों को सुव्यवस्थित रूप में एक साथ लाता है। निर्धारित समय सीमा, प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय करना तथा विलंब की स्थिति में स्वतः अपील की व्यवस्था– ये सभी सेवा वितरण को सुनियोजित और अधिकार-आधारित प्रक्रिया बनाते हैं। प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि हरियाणा ने एक सशक्त और उत्तरदायी प्रणाली विकसित की है, जिसे अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श के रूप में देखा जा रहा है। विशेष रूप से ऑटो अपील सिस्टम के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रशासनिक निगरानी को मजबूत बनाता है और सेवा वितरण को अधिक सुसंगत एवं मापनीय बनाता है। इसके लिए उन्होंने राज्य सरकार और प्रशासनिक प्रयासों की सराहना की। **राजेश खुल्लर ने नागरिक सेवा को बताया सुशासन का मूल:** मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने कहा कि किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था की सफलता का वास्तविक मापदंड यह है कि आम नागरिक को उसकी सेवा निर्धारित समय सीमा में, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवा ही सुशासन का मूल दर्शन है, जिसे आयोग ने हरियाणा में और अधिक सशक्त बनाया है। आयोग की सतत निगरानी, जवाबदेही की व्यवस्था और समयबद्ध सेवा वितरण के कारण विभागों की कार्यसंस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रकरणों को केवल आगे बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाकर नागरिक को वास्तविक राहत देना ही लोकसेवा का उद्देश्य होना चाहिए।

गेंहू की खरीद के दौरान किसानों को न आए कोई परेशानी : पंवार

चंडीगढ़, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और गेहूं की खरीद के दौरान किसी भी किसान को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार मंडियों में आने वाले किसानों के एक-एक दाने की खरीद सुनिश्चित करेगी।

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार वीरवार को जिला सोनीपत के गोहाना मंडी का औचक निरीक्षण करने उपरांत बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेंहू की गुणवत्ता, नमी की जांच, बायोमेट्रिक पंजीकरण प्रणाली तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गेंहू की खरीद प्रक्रिया पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित होनी चाहिए, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने विशेष रूप से गेंहू के उठान, भंडारण तथा बारदाने (बोरी) की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ किसी प्रकार की धोखाधड़ी रोकने के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली लागू की गई है। यह प्रणाली किसानों के हितों की रक्षा करने और उन्हें सुरक्षित व पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जिसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि फसल की बिक्री में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रथम दायित्व किसानों के हितों की रक्षा करना है और इसके लिए सभी संबंधित विभागों एवं खरीद एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए।

पशुओं के बाड़े में 18 वर्षीय युवक ने लगाया फंदा

कुरुक्षेत्र, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। जिले के अमीन गांव में एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव पशुओं के बाड़े में बने कमरे के अंदर लोहे के गाटर से रस्सी के सहारे लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मृतक की पहचान 18 वर्षीय अरुण के रूप में हुई है। वह मूल रूप से करनाल जिले के नलीपार गांव का रहने वाला था, लेकिन पिछले कई वर्षों से उसका परिवार अमीन गांव में रहकर किसानों के पास मजदूरी करता था। अरुण अमीन गांव के डेरा रामपुरा में एक किसान के पास काम करता था और पशुओं की देखभाल का काम संभालता था। जानकारी के अनुसार अरुण रोजाना की तरह सुबह पशुओं के बाड़े में भैंसों का दूध निकालने के लिए आया था। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटा तो बाड़े के मालिक को शक हुआ। जब वह मौके पर पहुंचा तो अंदर बने कमरे में अरुण को रस्सी के सहारे लोहे के गाटर से फंदे पर लटका हुआ देखा। इसके बाद तुरंत उसके परिजनों को सूचना दी गई। मृतक के पिता गज्जन सिंह निवासी नलीपार ने बताया कि अरुण उनका दूसरा बेटा था। उनका परिवार करीब 10 साल से अमीन गांव में एक किसान के पास काम कर रहा है और यहीं रह रहा है। अरुण करीब दो साल से गांव के ही एक किसान के पास काम करता था और पशुओं की देखभाल करता था। उन्होंने बताया कि सुबह गांव के जयभगवान और हरदीप सिंह उनके पास आए और कहा कि अरुण की तबीयत ज्यादा खराब हो गई है, इसलिए तुरंत चलना होगा। इसके बाद वह अपनी पत्नी दर्शना के साथ उनके साथ डेरे पर पहुंचे। वहां बाड़े में बने कमरे में जाकर देखा तो अरुण लोहे के गाटर से रस्सी के सहारे फंदे पर लटका हुआ था।

हरियाणा में खुलेगा सैनिक व अर्धसैनिक कल्याण निगम : राव नरबीर सिंह

चंडीगढ, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि अग्निवीरों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से हरियाणा मंत्रिमंडल द्वारा हरियाणा अग्निवीर नीति-2024 को मंजूरी प्रदान की जा चुकी है, जिसे अगस्त 2026 से प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। इस नीति के माध्यम से अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में होरिजॉनटल आरक्षण को 10 प्रतिशत से बढ़ा कर 20 प्रतिशत किया है। इसके अलावा, पूर्व अग्निवीरों को अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे और हरियाणा पूर्व अग्निवीरों को रोजगार की गारंटी देने वाला हरियाणा पहला राज्य होगा।

उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2022-23 में जल, थल एवं वायु सेना के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 26,649 अग्निवीरों की भर्ती का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से वर्ष 2022–23 में हरियाणा से 1,830 तथा 2023–24 में 2215 अग्निवीरों की भर्ती हुई थी। केंद्र सरकार की रक्षा सुधारों ने की गई विशेष पहल के तह वर्ष 2022 में अग्निपथ योजना लागू की थी जिसके तहत भर्ती अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत अग्निवीरों को सेना द्वारा अपनी आवश्यकता के अनुसार नियमित सेवाओं में शामिल किया जाएगा। इस योजना के तहत चार वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण करने के बाद जुलाई 2026 में पहला बैच वापिस लौटेगा और इसमें हरियाणा के 75 प्रतिशत, अर्थात 1,373 अग्निवीर, लौटेंगे, जिन्हें हरियाणा सरकार अपने हरियाणा अग्निवीर नीतिझ2024 के अंतर्गत समायोजित करेगी। उन्होंने बताया कि अग्निपथ योजना के तहत चार वर्षों की सेवा अवधि में अग्निवीरों द्वारा फंड में दिए गए 30 प्रतिशत अंशदान तथा भारत सरकार के कॉर्पस फंड के योगदान को मिलाकर अग्निवीरों को लगभग 11.71 लाख रूपये का सेवा निधि पैकेज प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त, हरियाणा सरकार द्वारा अपनी नीति के तहत हरियाणा पुलिस में कांस्टेबल, जेल वार्डन, फॉरेस्ट गार्ड सहित अन्य पदों पर विशेष आरक्षण दिया जाएगा।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि जो अग्निवीर स्वरोजगार या उद्यमिता के क्षेत्र में कदम बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए सरकार द्वारा तीन वर्षों तक 5 लाख रूपये तक का ब्याज-मुक्त ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने बजट अभिभाषण में 2026–27 में हरियाणा सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण निगम खोलने की घोषणा की है जिसकी प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने आगे बताया कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 2016 में भूतपूर्व सैनिकों, अर्धसैनिक बलों एवं उनके आश्रितों के कल्याण के लिए अलग से सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग का गठन किया। अक्तूबर 2014 से अब तक 420 शहीदों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी प्रदान की जा चुकी है, जो सरकार की सैनिक-हितैषी नीति को दशार्ता है।

ऐरिया मॉल में सजा बैसाखी दा मेला का पांचवां जश्न

गुरुग्राम, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। गुरुग्राम के सेक्टर 68 स्थित ऐरिया मॉल अपने बहुप्रतीक्षित वार्षिक उत्सव बैसाखी दा मेला के पाँचवें संस्करण के साथ इस बार फिर फसल कटाई के पर्व बैसाखी को भव्य रूप से मना रहा है। 3 अप्रैल से 14 अप्रैल 2026 तक चलने वाले इस उत्सव में पंजाब की जोशभरी संस्कृति को इंटरैक्टिव गतिविधियों, पारंपरिक सजावट और धमाकेदार प्रस्तुतियों के जरिए साकार किया गया है। बैसाखी पंजाबी नववर्ष के साथ-साथ नेमत का अहसास, बरकत और नई शुरूआत का प्रतीक है7 यही भावना इस बार ऐरिया मॉल के परिसर में एक पंजाबी पिंड के माहौल में उतरती नजड़ आ रही है। थीमेटिक इंस्टॉलेशन, रंग-बिरंगे फोटो जोन और ग्रामीण पंजाब की छाप छोडड़े वाले क्यूरेटेड एक्टिविटी जोन इस उत्सव को एक यादगार अनुभव बना रहे

हैं। उत्सव का मुख्य आकर्षण हर आयु वर्ग के दर्शकों के लिए तैयार की गई इंटरैक्टिव गतिविधियाँ हैं, जो प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक चलती हैं। इनमें बलून शूटिंग, जेंगा, मेज गेम, ढोल मेकिंग, मिट्टी के बर्तन बनाना और फ्रिज मैगनेट पेंटिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियाँ शामिल हैं।सप्ताहांत पर उत्सव की रौनक और भी बढ़ जाती है; धमाकेदार भांगड़ा प्रस्तुतियाँ, पारंपरिक पगड़ी बाँधने का अनुभव और लोकप्रिय लस्सी चैलेंज जैसी गतिविधियाँ आगंतुकों के बीच खासी पसंद की जा रही हैं। ये सभी अनुभव आगंतुकों को निःशुल्क प्रदान किए जा रहे हैं।

मॉल प्रबंधन का कहना है कि संस्कृति, रचनात्मकता और सामुदायिक जुड़ाव की इस तिकड़ी ने बैसाखी दा मेला को गुरुग्राम के सबसे लोकप्रिय त्योहारी आयोजनों में शुमार कर दिया है। पाँच साल में यह मेला अब एक परंपरा बन चुका है।

अम्बाला इंडस्ट्रियल एरिया का देश की प्रगति में है महत्वपूर्ण योगदान : अनिल विज

चंडीगढ़, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया का देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है। यहां पर साइंस से जुड़े एवं अन्य जो उपकरण तैयार किए जाते हैं उनका रक्षा, इंजीनियरिंग कालेज व मेडिकल कालेजों, स्कूलों, एयरफोर्स में व अन्य क्षेत्रों में प्रयोग किया जाता है। इस दृष्टि से इंडस्ट्रियल एरिया का देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है।

विज आज इंडस्ट्रियल एरिया अम्बाला छावनी की 10 करोड़ 76 लाख रूपए की लागत से आरसीसी रिटेनिंग वाल चार दीवारी के शिलान्यास के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। ऊर्जा मंत्री ने इस मौके पर इंडस्ट्रियल एरिया के लोगों को चार दिवारी के कार्य की शुरूआत होने पर बधाई देते हुए कहा कि अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया 1970 के

आसपास बना था और उनके दोस्त नेत्रपाल ने सबसे पहले यहां इंडस्ट्री लगाई थी। उन्होंने कहा तब से बरसातें आती रही और इंडस्ट्रियल एरिया डूबता रहा और नुक्सान होते रहे, मगर ठोस काम कभी नहीं हुआ। मगर हम इंडस्ट्रियल एरिया वासियों की मांग पर 10.76 करोड़ रुपए की लागत से कंकरीट की चारदीवारी बनाकर दे रहे हैं जोकि आठ फुट ऊंची व 14 फुट जमीन से नीचे होगी ताकि पानी का दबाव दीवार को गिरा न सके। उन्होंने कहा इंडस्ट्री बरसातों में सुरक्षित रहे यह जरूरी है। अम्बाला छावनी की इंडस्ट्री काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से डिफेंस, एरोनॉटिक्स, इंजीनियरिंग, मेडिकल कालेजों व अन्य प्रमुख संस्थानों को इंस्ट्रूमेंट सप्लाई किए जाते है। ऐसे में इंडस्ट्री रूकती है तो विकास रूकता है। अनिल विज ने कहा कि दीवार बनाने का काम करने के साथ-साथ हम टांगरी नदी तल को भी गहरा कर रहे हैं। गांव रामगढ़ माजरा से गांव दुराना तक अलग-अलग चरणों में नदी तल को गहरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कुछ लोग इस कार्य में व्यावधान डाल रहे हैं जबकि यह जमीन नगर परिषद है और नगर परिषद ने खुदाई के लिए एनओसी दी है। उन्होंने कहा टांगरी बरसाती नदी है और बरसातों में ज्यादा पानी आने से छावनी डूबती थी, मगर अब बचाव के लिए उन्होंने टांगरी के दूसरी ओर शहर की तरफ 8 किलोमीटर लंबा रामगढ़ माजरा से अम्बाला-सहारनपुर रेल लाइन तक बांध बनाकर पक्की सड़क बना दी जिसके कारण आज शहर बच रहा है।

अंगों के ट्रांसप्लांट के लिए रोहतक से दिल्ली तक बना ग्रीन कॉरिडोर

रोहतक, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मानवता की मिसाल पेश करते हुए भिवानी जिले के जुई कलां निवासी युवक विजेंद्र के अंगदान से चार लोगों को नई जिंदगी मिली। रोहतक पीजीआइएमएस से पहली बार दिल्ली और गुरुग्राम के अस्पतालों के लिए ग्रीन कारिडोर बनाकर हार्ट, लंग्स, किडनी-पैंक्रियाज और लीवर को सुरक्षित व समय पर पहुंचाया गया।

इस पूरी प्रक्रिया में पुलिस के करीब 250 जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोहतक एसपी गौरव राजपुरोहित इस दौरान पूरी निगरानी स्वयं भी रखते रहे, ताकि किसी तरह की कोई परेशानी न आए। अंगों के ट्रांसप्लांट के लिए वीरवार दोपहर 2 बजकर 50 मिनट से 3 बजकर 50 मिनट के बीच हर 15 मिनट के अंतराल पर तीन अलग-अलग एंबुलेंस को रवाना किया गया।

ग्रीन कारिडोर के जरिए हार्ट को दिल्ली के फोर्टिस एस्काट्र्स हार्ट इंस्टीट्यूट, ओखला, लंग्स को गुरुग्राम के आर्टेमिस अस्पताल, जबकि किडनी-पैंक्रियाज और लीवर को एम्स नई दिल्ली भेजा गया। पुलिस और ट्रैफिक विभाग के सहयोग से बनाए गए इस विशेष ग्रीन कारिडोर में सभी ट्रैफिक सिग्नलों को नियंत्रित कर एंबुलेंस को बिना किसी रुकावट के तेजी से गंतव्य तक पहुंचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, इस प्रक्रिया से करीब 60 से 70 प्रतिशत समय की बचत हुई, जो अंग प्रत्यारोपण के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। रोहतक पुलिस ने पीजीआइएमएस से सांपला बार्डर तक सुरक्षा दायरे की कमान संभाली। मृतक विजेंद्र के पिता राजबीर ने बताया कि उनका बेटा 26 मार्च को जुई बस स्टैंड पर संदिग्ध अवस्था में गिरा हुआ मिला था। पुलिस की सूचना के बाद उसे इलाज के लिए पीजीआइएमएस रोहतक में भर्ती कराया गया, जहां उसे आइसीयू में रखा गया। 13 दिन तक उपचार के बावजूद जब उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और डॉक्टरों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया, तब परिवार ने बड़ा निर्णय लेते हुए अंगदान करने की सहमति दी।

अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने की सरकार ने जारी की अधिसूचना : उपायुक्त

कहा- प्राथमिकता के साथ लागू करें औद्योगिक संस्थान

चंडीगढ़, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा सरकार ने श्रमिकों को दिए जाने वाले न्यूनतम वेतन (मिनिमम वेजेज) की दरों में वृद्धि की अधिसूचना जारी कर दी है, यह वेतन वृद्धि 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगी। गुरुग्राम जिले के उपायुक्त अजय कुमार ने यह जानकारी देते हुए जिले के सभी औद्योगिक संस्थानों एवं औद्योगिक संगठनों से आह्वान किया है कि वे सरकार द्वारा अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि के निर्णय को प्राथमिकता के साथ लागू करने में सहयोग करें। **न्यूनतम वेतन दरों में लगभग 35 प्रतिशत तक हुई वृद्धि:** उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा संवेदी भाव से श्रमिकों के हित में लिए गए इस महत्वपूर्ण निर्णय के तहत अब अकुशल (अनस्किल्ड) श्रमिक

- **हरियाणा सरकार ने संवेदी भाव से श्रमिकों के हित में लिया महत्वपूर्ण निर्णय, अधिसूचना हुई जारी।**
- **औद्योगिक प्रगति की असली ताकत श्रमिक, उचित पारिश्रमिक देना साझा जिम्मेदारी : उपायुक्त**

का वेतन 11274.60 रुपये से बढ़कर 15220 रुपये होगा, जिसके तहत लगभग 3945.40 रुपये की बढ़ोतरी होगी और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी। इसी प्रकार, अर्द्ध-कुशल (सेमी-स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 12430.18 रुपये से बढ़कर 16780.74 रुपये होगा, जिसके अंतर्गत इस श्रेणी के श्रमिकों का 4350.56 रुपये वेतन बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी। उन्होंने बताया कि कुशल (स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 13704.31 रुपये से बढ़कर 18500.81 रुपये होगा, जिसके तहत इस श्रेणी के श्रमिकों का वेतन 4796.50 रुपये बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी। इस तरह, उच्च कुशल (हाई-स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 14389.52 रुपये से बढ़कर 19425.85 रुपये होगा, जिसके तहत इस श्रेणी के श्रमिकों का 5036.33 रुपये वेतन बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी भी लगभग 35 प्रतिशत होगी।

उपायुक्त ने कहा कि औद्योगिक विकास किसी भी क्षेत्र की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार होता है, लेकिन इस विकास की वास्तविक शक्ति वहां कार्यरत श्रमिक होते हैं। ऐसे में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें उचित पारिश्रमिक उपलब्ध कराना सरकार एवं उद्योग जगत की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम मजदूरी में यह वृद्धि श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, उनकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सामाजिक संतुलन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने सभी औद्योगिक इकाइयों एवं एसोसिएशनों से अपील की कि वे इस जनहितकारी पहल को सकारात्मक रूप से अपनाएं और अपने-अपने संस्थ

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

पंजाब नेशनल बैंक पेंशनर्स और रिटायरीज एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

लुधियाना, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोन। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक पेंशनर्स एंड रिटायरीज एसोसिएशन (लुधियाना यूनिट) की मीटिंग अशोक गुप्ता की देखरेख में हुई। इस मीटिंग में पेंशनर्स की समस्याओं

पर डिटेल में चर्चा हुई। बैसाखी त्योहार को ध्यान में रखते हुए भांगड़ा टीम ने पंजाबी लोकगीत और भांगड़ा करके रंग जमा दिया। पेंशनर्स की बढ़ती उम्र को देखते हुए शंकरा आई हॉस्पिटल लुधियाना की तरफ से फ्री आई मेडिकल कैंप लगाया गया। बलजिंदर सिंह ने मेडिकल इंश्योरेंस पॉलिसी के बारे में जानकारी दी। इस दौरान चाय और नाश्ता भी दिया गया। मीटिंग के आखिर में प्रेसिडेंट आत्मा राम तिवारी ने शंकरा आई हॉस्पिटल की टीम और सभी मेंबर्स को धन्यवाद दिया। आखिर में बहुत अच्छे से खाने का इंतजाम किया गया। इस मौके पर रेशम सिंह, केके महिन्द्रू, परमजीत सिंह सावड़ी, अमरीक सिंह मंडेर, सुरिंदर सिंह, परमजीत सिंह मुल्लांपुर, अनिल चावला, राकेश चन्ना, एसके शर्मा, एसएस वालिया, हरदेव सिंह, सुभाष गुप्ता, गुरचरण सिंह, सतनाम सिंह जगराओं, नरिंदर सिंह चावला, दविंदर सिंह तलवार, लछमन सिंह महिमासिंहवाला, लछमन सिंह बाड़ेवाल, एचसी गुप्ता,राजेश शर्मा, आरआर शर्मा,पीके भारद्वाज, शमशेर सिंह, राजेश्वर कोहली और करमजीत सिंह मौजूद थे।

बिना रुकावट सप्लाई पक्का करने के लिए LPG कंट्रोल रूम शुरू

लुधियाना, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। एक खास पहल में, लुधियाना डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने एलपीजी कंट्रोल रूम बनाया है, जिसे फूड एंड सिविल सप्लाई डिपार्टमेंट अच्छे से मेंटेन कर रहा है। यह खास

सुविधा सप्लाई चेन में रुकावटों को खत्म करती है और पूरे जिले में घरों, इंडस्ट्री और जरूरी सेवाओं को एलपीजी की बिना रुकावट उपलब्धता पक्का करती है। ईस्ट और वेस्ट जोन के असिस्टेंट फूड सप्लाई ऑफिसर नोडल ऑफिसर के तौर पर तैनात हैं, जो कंट्रोल रूम के रोजाना के काम को अच्छे से संभाल रहे हैं। यह व्यवस्था प्रशासन की प्रोएक्टिव नेचर को दिखाती है, जो बढ़ती डिमांड के बावजूद कंटिन्यूटी पक्का करती है। शुरू होने के बाद से, कंट्रोल रूम ने 161 शिकायतों, सवालों और रिक्वेस्ट को सॉल्व किया है - जो इसकी बढ़ती अहमियत का सबूत है। खास बात यह है कि 148 केस तेजी से सॉल्व किए गए हैं, जबकि 13 प्रोसेस में हैं। कोई भी इश्यू बाकी नहीं है, जो टीम के समय पर एक्शन को दिखाता है। इन कामयाबियों में, इंडस्ट्रीज, हॉस्पिटल, स्कूल, रेस्टोरेंट और ढाबों जैसे जरूरी सेक्टर से 78 रिक्वेस्ट बिना देर किए हल कर दी गईं, जिससे होने वाली कमी को रोका गया और जरूरी कामों में मदद मिली।ज़िला अधिकारियों ने कंट्रोल रूम को जवाबदेह प्रशासन का एक मॉडल बताया है और स्टेकहोल्डर्स को एलपीजी से जुड़े मामलों के लिए इसका फायदा उठाने के लिए बढ़ावा दिया है।

बम हमले के खिलाफ उग्र प्रदर्शन, कर्फ्यू के बावजूद सड़कों पर उतरे हजारों लोग

इंफाल, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मणिपुर के घाटी क्षेत्रों के पांच जिलों में कर्फ्यू को दरकिनार करते हुए हजारों लोगों ने बम हमले के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर विरोध जताया और दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। इस हमले में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। इंफाल पश्चिम जिले के टिड्डिम लाइन में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने घटना की निंदा करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। हालांकि सुरक्षा बलों ने रैली को क्वाकेइथेल के पास आगे बढ़ने से रोक दिया। बाद में संगठन के प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से मिलने ले जाया गया। 7 अप्रैल को बिष्णुपुर जिले के त्रोंगलाओबी इलाके में संदिग्ध उग्रवादियों ने एक घर पर बम फेंका था, जिसमें 5 साल के बच्चे और उसकी 6 महीने की बहन की मौत हो गई थी।

घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने सीआरपीएफ कैंप पर हमला कर तोड़फोड़ और वाहनों में आगजनी की। स्थिति को काबू करने के लिए सुरक्षा बलों की ओर से की गई फायरिंग में तीन प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। आज इंफाल पश्चिम के समुरोउ में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बिष्णुपुर के मोइरांग लामखाई और निंगथौखोंग में टायर जलाकर सड़क जाम किया गया। इंफाल पूर्व, थौबल और काकचिंग जिलों में भी इसी तरह के प्रदर्शन देखने को मिले। इंफाल पूर्व के खुरई लामलोंग में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई, जहां भीड़ ने पथराव किया। जवाब में सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस ने त्रोंगलाओबी घटना के बाद चलाए गए अभियान में यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी के तीन संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि उनका इस हमले से सीधा संबंध है या नहीं।

सीबीआई को सौंपा जाएगा आईडीएफसी बैंक घोटाला मामला : अनिल विज

अंबाला, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। ऊर्जा परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आईडीएफसी बैंक में घोटाले पर गुरुवार को बयान दिया। उन्होंने कहा करीब 560 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। इस घोटाले में कुछ लोग खा गए और अपने खातों में भी राशि डाल ली। सरकार इस मामले में आरोपियों को नहीं बख्शेगी। विज ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस मामले को सीबीआई सौंपा जाएगा। जब सीबीआई को मामला जाएगा तो मामले में शामिल सभी आरोपी पकड़े जाएंगे।

विज मीडिया कर्मियों द्वारा बैंक घोटालों को लेकर आज दो आईएएस अधिकारी और एक एचसीएस अधिकारी को राज्य सरकार द्वारा निलंबित किए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। देश के पांच राज्यों में हो रहे चुनावों के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि हम हरियाणा जीते, दिल्ली जीते, महाराष्ट्र जीते, बिहार जीते और अब असम भी जीतेंगें। बंगाल भी जीतेंगे, केरल भी जीतेंगे, तमिलनाडु और पुडुचेरी भी जीतेंगें। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा द्वारा मंडियों में किए जा रहे दौरों के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा हुड्डा साहब खुद मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्होंने अपने समय में कुछ भी नहीं किया लेकिन अब हम जब जनता के भले के लिए कार्य कर रहे हैं तो वह उसमें कमी निकाल रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि बारिश हमारी सरकार पैदा नहीं कर रही है।

नूंह में केंद्रीय विद्यालय की तैयारी तेज, आफताब अहमद ने किया निरीक्षण

सालाहेड़ी में बनेगा केंद्रीय विद्यालय, फिलहाल चिलावली में शुरू होंगी कक्षाएं

नूंह, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/जुबैर खान। नूंह के सालाहेड़ी गांव में मंजूर हुए केंद्रीय विद्यालय की शुरूआत शैक्षणिक सत्र 2026-27 से हो रही है। नए सत्र की कक्षाएं चिलावली स्थित स्कूल में लगने की तैयारियां जोरों शोरों से चल रही हैं। बृहस्पतिवार को नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद चिलावली स्थित स्कूल में पहुंचे जहां शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों से उन्होंने बैठक की।

इस दौरान प्रिंसिपल ऋचा तिवारी विशेष रूप से मौजूद रही।बता दें कि इस विद्यालय का निर्माण सालाहेड़ी गांव में होगा। लेकिन जब तक वहां निर्माण नहीं होता तब तक यहीं कक्षाएं लगेंगी। इस साल मई से सत्र शुरू हो रहा है।सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 2 से 5 तक के पंजीकरण फॉर्म ऑफलाइन माध्यम से 23 मार्च 2026 से 2 अप्रैल 2026 तक उपलब्ध कराए गए थे। कक्षा 1 के लिए प्रक्रिया आधिकारिक डश्र वेबसाइट पर उपलब्ध रही। बीते दो दिन से दाखिलों की ऑनलाइन, ऑफलाइन प्रक्रिया जारी रही। विधायक आफताब अहमद का स्कूल शिक्षकों ने स्वागत किया, विधायक आफताब अहमद ने शिक्षकों, अभिभावकों, स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नूंह जिला बने लगभग 21 साल हो गए और लंबे संघर्ष के बाद केंद्रीय विद्यालय नूंह में शुरू हो रहा है ये अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि ये स्कूल छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देगा और इलाके के लोगों को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि अस्थाई रूप से ये केंद्रीय विद्यालय चिलावली स्थित स्कूल में चलेगा और कई सालों तक यहां के लोगों को इसका फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनकी पूर्व की कांग्रेस सरकार में केंद्रीय विद्यालय सालाहेडी को मंजूरी दी थी लेकिन परियोजना सरकार बदलने पर विलंब हो गई। वहीं चिलावली स्थित स्कूल को मेवात मॉडल स्कूल के लिए निर्मित कराया था लेकिन बीजेपी सरकार ने अपनी नीति बदलकर मेवात मॉडल स्कूलों को खत्म कर दिया। अब ये बिल्डिंग सालाहेडी में केंद्रीय विद्यालय बनने तक इस्तेमाल की जाएगी। विधायक आफताब अहमद ने शिक्षकों को कहा कि वो छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए कार्य करते रहें और जहां उनकी जरूरत होगी उसके लिए वो सदैव तैयार हैं। इस दौरान चौधरी महताब अहमद भी उनके साथ मौजूद रहे।

महिला सशक्तिकरण पर पीएम का नया संदेश

वीडियो जारी कर योगदान का किया आह्वान

नई दिल्ली, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मातृशक्ति की पूरी क्षमता को जोड़ना होगा। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का जिक्र करते हुए विधायिका में महिलाओं के लिए आरक्षण को समय की जरूरत बताया है। उन्होंने कहा कि इससे देश का लोकतंत्र और अधिक सशक्त, जीवंत और सहभागी बनेगा।

प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर अपने विचार अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित एक विस्तृत लेख में भी साझा किए हैं। उन्होंने लिखा कि 21वीं सदी में भारत एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है और जल्द ही देश अपने लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने वाली एक बड़ी पहल का साक्षी बनने वाला है। उनके मुताबिक, यह समानता, समावेशन और जनभागीदारी को नए स्तर पर ले जाने का अवसर है। पीएम मोदी ने कहा कि संसद के सामने अब एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि ऐसा कदम उठाने की, जो लोकतंत्र को अधिक व्यापक और प्रतिनिधिक बनाए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण लागू होने से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और उन्हें उनका उचित स्थान मिलेगा। अपने लेख में उन्होंने देशभर में मनाए जाने वाले विभिन्न त्योहारों जैसे रोंगाली बिहू, पणा संक्रांति, पोइला बैशाख, विषु, पुथांडु और बैसाखी का जिक्र करते हुए इसे आशा और सकारात्मकता का समय बताया। साथ ही, महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती और डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती का उल्लेख करते हुए सामाजिक न्याय और समानता के मूल्यों को याद किया। प्रधानमंत्री ने नारीशक्ति की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि महिलाएं देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं और राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान अमूल्य रहा है। विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता, खेल, सशस्त्र बलों और कला जैसे हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं। पीएम मोदी के अनुसार, महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से न केवल चर्चा समृद्ध होती है, बल्कि शासन की गुणवत्ता भी बेहतर होती है।

प्रदेश के शिक्षामित्रों का मानदेय हुआ 18 हजार, जारी हुआ शासनादेश

लखनऊ, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। प्रदेश कैबिनेट द्वारा हरी झंडी के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों व अनुदेशकों के मानदेय वृद्धि का शासनादेश जारी कर दिया है। इसके तहत शिक्षामित्रों को 10 हजार की जगह 18 हजार और अनुदेशकों का 09 की जगह 17 हजार महीने मानदेय दिया जाएगा। बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात बनाए रखने के लिए वर्तमान में 1,42,929 शिक्षामित्र कार्यरत हैं। इनका मानदेय एक अप्रैल से बढ़ाते हुए दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह आरटीई के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अनुदेशकों की तैनाती की गई थी।

इन विद्यालयों में मुख्य विषयों भाषा, विज्ञान, गणित व सामाजिक विज्ञान के लिए न्यूनतम तीन शिक्षकों की व्यवस्था का मानक तय किया गया है। शिक्षक-छात्र अनुपात 1:35 भी बनाए रखने का निर्देश है। इस क्रम में सर्व शिक्षा अभियान के तहत परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में वर्तमान में संविदा पर 24717 अंशकालिक अनुदेशक कार्यरत हैं। इनको 9000 रुपये महीने, साल में 11 महीने मानदेय दिया जाता है। इसे बढ़ाकर 17 हजार करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को इस आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। वहीं उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के प्रदेश महामंत्री सुशील यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष फतेहपुर सुशील तिवारी, जिलाध्यक्ष लखनऊ हरिनाम सिंह, जिलाध्यक्ष सोनभद्र अशोक श्रीवास्तव आदि ने बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह से मिलकर मानदेय वृद्धि के लिए आभार जताया।

गेहूं खरीद के इंतजामों का रिव्यू करने के लिए तरुणप्रीत सौंद ने की बैठक

लुधियाना, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। पंजाब के कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन के साथ गुरुवार को एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी, खन्ना के मार्केट कमेटी मीटिंग हॉल में गेहूं की खरीद के बारे में खरीद एजेंसियों, आढ़तिया एसोसिएशन खन्ना और मंडी बोर्ड और फूड एंड सिविल सप्लाई डिपार्टमेंट और दूसरे संबंधित डिपार्टमेंट के साथ मीटिंग की।

कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह ने कहा कि खन्ना अनाज मंडी में 9 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं की खरीद होने की संभावना है। जिसके लिए 60 परसेंट स्टोरेज उपलब्ध है। 40 परसेंट की कमी के लिए लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने पंजाब के फूड, सिविल सप्लाई और कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट के डायरेक्टर वरिंदर कुमार शर्मा को बताया है कि हमें खन्ना मंडी के लिए 10 स्पेशल चाहिए।

डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने कहा कि कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने आज गेहूं खरीद के इंतजामों का रिव्यू करने के लिए जो मीटिंग बुलाई है, वह बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद गेहूं खरीद का ध्यान रखने के लिए हमसे फोन पर बात करते रहते हैं ताकि इस सीजन से जुड़ी बारदाने की कोई कमी न हो, ट्रांसपोर्टेशन गाड़ियों या गेहूं के स्टोरेज में कोई दिक्कत न आए।

उन्होंने कहा कि मैंने अभी पंजाब फूड, सिविल सप्लाई और कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट के डायरेक्टर वरिंदर कुमार से बात की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हम आपको स्पेशल देंगे। सब कुछ मिलकर सुलझा लिया जाएगा। इसलिए स्पेशल काम, स्टोरेज और लिफ्टिंग का काम समय के हिसाब से होगा। आपको इसकी बिल्कुल भी चिंता करने की जरूरत नहीं है।

मदन लाल बग्गा ने गांधी नगर में सड़क बनाने के कार्य का किया उद्घाटन

कहा- प्रोजेक्ट के तहत 58 लाख रुपये होंगे खर्च

लुधियाना, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। लुधियाना नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र के विधायक मदन लाल बग्गा ने अपने इलाके के लोगों को बेसिक सुविधाएं देने के मकसद से वार्ड नंबर 88 के गांधी नगर में नई सड़कों के बनने के काम का उद्घाटन किया। विधायक बग्गा ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत करीब 58 लाख रुपये खर्च होंगे।

विधायक बग्गा ने कहा कि उन्होंने इस इलाके के लोगों से वादा किया था कि उन्हें बेसिक सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर दी जाएंगी। लोगों की मांग के मुताबिक, बच्चों की पढ़ाई के लिए अच्छे स्कूल, हेल्थ सुविधाओं के लिए आम आदमी क्लीनिक और इलाके को साफ और हरा-भरा रखने के लिए नए पार्कों और दूसरे पार्कों के रेनोवेशन पर खास ध्यान दिया गया है।

उन्होंने कहा कि सड़क की हालत काफी समय से खराब थी और आने-जाने वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने इलाके का ध्यान नहीं रखा, लेकिन अब सड़क बनने के बाद ट्रैफिक आसानी से चलेगा। लुधियाना नॉर्थ हलके को विकास के मामले में लीडर बनाने का वादा दोहराते हुए विधायक बग्गा ने कहा कि सड़क बनाने का काम युद्ध स्तर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि हलके की कोई भी सड़क मरम्मत से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गांवों और शहरों के बीच सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। इस मौके पर पार्षद अमन बग्गा, पार्षद नीरज आहूजा और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी भी मौजूद थे।

प्रेमी संग मिल किया भाई का खून

मैनपुरी, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। यूपी के मैनपुरी स्थित ताल मोहल्ला कुसमरा में बहन ने प्रेमी के साथ मिल कर भाई करन की हत्या करा दी, शव भी ठिकाने लगा दिया। पुलिस को हत्याकांड में तीसरे व्यक्ति की संलिप्तता के सबूत मिले हैं लेकिन वह कौन है? यह पुलिस के लिए पहेली बना हुआ है। एसपी गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि जनपद फरुर्खाबाद के थाना मोहम्मदाबाद के गांव करथिया निवासी करन मिश्रा विवाहित बड़ी बहन पूजा को ससुराल कुसमरा क्षेत्र के ताल मोहल्ला छोड़ने आया था।

वह बहन के घर ही रुक गया, अगले दिन पूजा ने चौकी में पहुंच कर भाई के गुमशुदा होने की सूचना दी थी। करन का भाई मोहित व अन्य परिजन तलाश करते हुए पूजा के घर पहुंचे। 10 वर्षीय भांजे रितिक दुबे ने जो कुछ बताया, उसे सुन कर सभी चौंक गए। उसने कहा कि रात को जितेंद्र उर्फ जीतू निवासी नगला भूपति घर पर आया था। मामा जाग गए और उनका विवाद हुआ, जिसके बाद मामा को गोली मार दी गई। हत्याकांड में जितेंद्र के भाई जूली उर्फ सतेंद्र पर भी गोली मारने का आरोप लगाकर हत्यारोपी बताया गया है। एसपी सिटी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि हत्यारोपी बहन पूजा और प्रेमी जितेंद्र उर्फ जीतू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, वहां से जेल भेजा गया है। तीसरे व्यक्ति की भूमिका पर जांच की जा रही है। तीसरा आरोपी जूली है या कोई और है। इसको लेकर पुख्ता साक्ष्य मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह बात स्पष्ट है कि शव को ठिकाने लगाने में जितेंद्र अकेला नहीं था, पूजा उसके साथ नहीं गई थी। अब सवाल ये है कि क्या साथ जाने वाला जूली था या कोई और, इसकी पुख्ता जानकारी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। एसपी गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि जितेंद्र ने करन के पेट में गोली मारी। इसके बाद शव को बाइक से किसी के सहयोग से करीब दो-ढाई किलो मीटर दूर ले गया। जब शव को झाड़ियों में फेंका तो उसे यकीन नहीं था कि करन मर चुका है। इसके बाद एक गोली सिर में मारी। इसके बाद घर वापस आया और विवाहित प्रेमिका पूजा के साथ घर से खून के धब्बे साफ किए।

प्रशासन ने लोगों की भलाई के लिए स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को किया मजबूत

लुधियाना, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। जिला प्रशासन लुधियाना, लोगों की भलाई और स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के अपने लगातार कमिटमेंट के तहत, पूरे जिले में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की पहल कर रहा है। शास्त्री बैडमिंटन हॉल का रेनोवेशन अभी चल रहा है और यह एडवांस स्टेज पर है, और काम लगभग पूरा होने वाला है। अपग्रेड की गई यह फैसिलिटी बैडमिंटन के शौकीनों और प्रोफेशनल खिलाड़ियों, दोनों के लिए बेहतर सुविधाएं और खेलने का बेहतर माहौल देगी। इसके साथ ही, रख बाग लुधियाना में एक मॉडर्न जिम का कंस्ट्रक्शन भी तेजी से चल रहा है और लगभग पूरा होने वाला है। आने वाले जिम में आजकल की फिटनेस से जुड़ी सुविधाएं होंगी, जिसमें सॉना बाथ भी शामिल है, जिसका मकसद यूजर्स के लिए ओवरऑल फिटनेस और रिकवरी एक्सपीरियंस को बेहतर बनाना है। ये पहल डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन की अध्यक्षता में की गई हैं, जिनके विजन और फंड के एलोकेशन के जरिए सपोर्ट से ये डेवलपमेंट मुमकिन हुए हैं। प्रोजेक्ट्स की पूरी मॉनिटरिंग, इम्प्लीमेंटेशन और कोऑर्डिनेशन को गवर्नेंस एसोसिएट श्री आदित्य कुमार यादव और डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफिसर श्री कुलदीप चुघ अच्छे से मैनेज कर रहे हैं। ये कोशिशें स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और लोगों में फिटनेस और कल्चर को बढ़ावा देने की एडमिनिस्ट्रेशन की फोकस्ड अप्रोच को दिखाती हैं। जिला प्रशासन लुधियाना जिले में युवाओं की स्पोर्ट्स में भागीदारी को बढ़ावा देने और स्पोर्ट्स टैलेंट को मजबूत करने के लिए क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाकर समाज की भलाई के लिए वचनबद्ध है।

समाधान शिविर में 12 शिकायतें हुई प्राप्त

कहा-आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है निवारण

नूंह, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/जुबैर खान। अतिरिक्त उपायुक्त ज्योति एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्पित जैन ने वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित जनसमस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित, प्रभावी एवं समयबद्ध निवारण के निर्देश दिए।

समाधान शिविर में पहुंचे नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन द्वारा मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई।समाधान शिविर में कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें परिवार पहचान पत्र में त्रुटि सुधार, बिजली विभाग, राजस्व एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याएं शामिल रहीं। अधिकारियों ने सभी शिकायतों को संबंधित विभागों को अग्रेषित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।अतिरिक्त उपायुक्त ज्योति ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शानुसार आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। इन शिविरों के जरिए प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है, जिससे शिकायतों के निपटान में पारदर्शिता एवं गति आई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्पित जैन ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी जनशिकायत को लंबित न रखा जाए तथा प्रत्येक मामले का स्थायी समाधान तय समयावधि में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपनी विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविरों का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर प्रत्येक सोमवार एवं वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं, जहां प्रशासन की पूरी टीम जनसेवा के लिए उपलब्ध रहती है।

तुलसी का जलवा बरकरार, अनुपमा का हुआ बुरा हाल?

मुंबई, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। एक बार फिर से टीवी की क्वीन का ताज तुलसी यानी क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 की स्मृति ईरानी के सिर पर सज गया है। 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में क्योंकि के अलावा किस-किस सीरियल की किस्मत चमकी है। कौन से सीरियल ने टॉप 5 में जगह बनाई है।

सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 को 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में 1.8 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते में इसकी अपनी टीआरपी 2.0 थी। देखा जाए तो इस 13वें हफ्ते में आकर इस सीरियल की टीआरपी कम हुई है। इन दिनों सीरियल में तुलसी, मिहिर के और नोयना के उलझे रिश्तों वाला ट्रैक चल रहा है। 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में दूसरे नंबर पर सीरियल गंगा मां की बेटियां रहा है। इसको भी 1.8 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते में यह सीरियल पांचवें नंबर पर था। इस तरह गंगा मां की बेटियां इस पर टीआरपी चार्ट में ऊपर आया है। इन दिनों टीवी और फिल्म एक्टर शरद केलकर का सीरियल तुम से तुम तक भी काफी पसंद किया जा रहा है। 13वें की टीआरपी लिस्ट में इसे 1.8 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में शरद केलकर के सीरियल तुम से तुम तक को 1.9 की टीआरपी मिली थी। 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में चौथे नंबर पर सीरियल वसुधा रहा है, इसकी टीआरपी 1.7 रही है। वहीं पांचवें नंबर पर रुपाली गांगुली का सीरियल अनुपमा रहा है। इस सीरियल की टीआरपी लगातार कम हो रही है। 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में इसे पांचवां स्थान मिला है, इसको भी 1.7 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते में यह सीरियल चौथे नंबर था और इसकी टीआरपी 1.8 थी।

'गुड्डी' की मासूमियत ने जीता था 'शहंशाह' का दिल

मुंबई, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। जया बच्चन आज अपना 78वां जन्मदिन मना रही हैं। एक सफल अभिनेत्री, पत्नी और मां; जया ने अपने जीवन के हर रंग को भरपूर जिया है। साल 1971 में फिल्म 'गुड्डी' से उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरूआत की। 1972 में पहली बार उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'बंसी बिरजू' में काम किया पर बच्चन से पहली मुलाकात तो 'गुड्डी' के सेट पर ही हो गई थी। फिल्मी सेट पर मिले ये दो दिल तब तक यह नहीं जानते थे की वो एक साथ लंबे वक्त तक धड़केगें। जया और अमिताभ बच्चन की प्रेम कहानी पुणे फिल्म संस्थान में शुरू हुई। अमिताभ प्रसिद्ध निर्देशक के. अब्बास के साथ पुणे आए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमिताभ को पहली बार जया के लिए एहसास तब जागा जब उन्होंने पहली बार उन्हें एक पत्रिका के कवर पेज पर देखा। इसके बाद दोनों पहली बार फिल्म 'गुड्डी' के सेट पर मिले। फिल्म में अमिताभ ने कैमियो किया था। एक पुराने इंटरव्यू में जया ने कहा कि अमिताभ की आंखों से उन्हें पता चल गया था कि वो एक दिन स्टार बनेंगे।

हंसिका मोटवानी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ और कोर्ट केस को लेकर चर्चा में

मुंबई, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ और कोर्ट केस को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनके नाम से जुड़ा एक मामला सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया है, जिसकी वजह से उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आइए जानते हैं क्यों एक्ट्रेस इस वक्त टॉक ऑफ द टाउन बनी हुई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हंसिका ने अपनी अलग रह रही एक्स भाभी और टीवी एक्ट्रेस मुस्कान नैन्सी जेम्स के खिलाफ मुंबई कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज किया है। उन्होंने इस केस में 2 करोड़ रुपये के हजार्ने की मांग की है और साथ ही पब्लिक माफी की भी मांग की है। हंसिका का आरोप है कि उनकी भाभी ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ गलत और नुकसान पहुंचाने वाले आरोप लगाए, जिससे उनकी इमेज खराब हुई। एक्ट्रेस का यह भी कहना है कि ये सब इसलिए किया गया ताकि करीब 27 लाख रुपये के उधार पैसे वापस न करने पड़ें। वहीं दूसरी तरफ, मुस्कान नैन्सी जेम्स ने पहले हंसिका और उनके भाई पर घरेलू हिंसा और उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए थे और इसको लेकर एफआईआर भी दर्ज करवाई थी। हंसिका ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। उनका कहना है कि उनका अपने भाई और भाभी के घरेलू मामलों से कोई लेना-देना नहीं था, इसलिए उन्हें इस मामले में घसीटना ठीक नहीं है।

अब यह मामला कोर्ट में है और आने वाले समय में इस पर सुनवाई होगी। फिलहाल, यह पूरा विवाद सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

रश्मिका मंदाना को जन्मदिन पर पिता ने दिया उपहार

मुंबई, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मार्च महीने में ही शादी के बंधन में बंधे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना 30वां जन्मदिन भी मनाया है। शादी के बाद यह जन्मदिन उनके लिए खास है क्योंकि विजय पति के तौर पर उनके साथ हैं। वहीं रश्मिका के पिता ने भी एक कीमती उपहार जन्मदिन पर दिया है। यह उपहार इस वक्त चर्चा का विषय बन चुका है। रश्मिका मंदाना के जन्मदिन के जश्न को उनके पिता ने खास बना दिया। एक्ट्रेस के होमटाउन विराजपेट के पास एक खास पारिवारिक मिलन समारोह में उन्होंने घोषणा की कि वह अपनी बेटी को एक खूबसूरत बंगला तोहफे में दे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार विराजपेट के पास स्थित इस प्रॉपर्टी का नाम सेरेनिटी रखा गया है। रश्मिका के पिता की घोषणा से परिवार का हर सदस्य खुश था। वहीं पिता से इतना प्यारा और कीमती उपहार पाकर रश्मिका मंदाना काफी इमोशनल हो गईं। सूत्रों के अनुसार रश्मिका की आंखें नम थीं। बाद में वह इस उपहार को पाकर खुश भी हुईं। अब वह अपने होमटाउन में रह सकेंगी और यहां पर नई यादें बना सकेंगी। रश्मिका मंदाना अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ एक फिल्म रणबाली कर रही हैं। वहीं वह शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ कॉकटेल 2 में भी नजर आएंगी। हाल ही में इस फिल्म के पोस्टर रिलीज हुए, जिसमें रश्मिका का लुक भी रिवील हुआ।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज होगी तू या मैं

मुंबई, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। शनाया कपूर और आदर्श गौरव स्टारर सर्वाइवल-थ्रिलर तू या मैं सिनेमाघरों में कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। हालांकि, फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब फिल्म सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर रिलीज को तैयार है।

तू या मैं एक दिन बाद यानी 10 अप्रैल से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। गुरुवार को नेटफ्लिक्स ने इस बात की घोषणा की है। एक मगरमच्छ के क्लोज-अप शॉट और पृष्ठभूमि में शनाया की मदद के लिए चीखने की आवाज वाला एक छोटा वीडियो साझा करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा, प्यार आंखें खोल सकता है तू या मैं देखें 10 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर। तू या मैं शनाया कपूर की दूसरी फिल्म है, जो सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। उनकी पहली फिल्म विक्रांत मैसी के साथ आंखों की गुस्ताखियां थी, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित तू या मैं 2018 की थाई हॉरर थ्रिलर द पूल का रीमेक है। फिल्म लाखों फॉलोअर्स वाली लोकप्रिय सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर अवनी और नालासोपारा के उभरते रैपर मारुति उर्फ आला फ्लोपारा की कहानी है। दोनों मिलते हैं और उनके बीच प्यार पनपता है। मारुति अवनी की चकाचौंध भरी जीवनशैली से आकर्षित होता है, जबकि अवनी को मारुति की सादगी भरी दुनिया में सुकून मिलता है। हालांकि, गोवा जाते समय वे फंस जाते हैं और एक छोटे से होटल में शरण लेते हैं, जिसके बाद हालात तेजी से बिगड़ते हैं। फिल्म को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसने केवल 7.31 करोड़ रुपए की कमाई की।

एक्टिंग छोड़ने वाली थीं जेना ओटेर्गा, बदल दिया फैसला

मुंबई, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। जेना ओटेर्गा ने अपने अभिनय से दर्शकों का जीता था, सीरीज वेडनेस में उनके काम को खूब सराहा गया। इसके बाद भी इस एक्ट्रेस को लगा कि एक्टिंग को अलविदा कह देना चाहिए। दरअसल, ऐसा फैसला वह सोच-समझ कर ले रही थीं फिर जेना ने अपना फैसला बदल दिया। इसकी वजह उनका अगला प्रोजेक्ट रहा। जेना ओटेर्गा ने वैरायटी से की गई हालिया बातचीत में बताया कि टीनएजर में आने उन्हें लगा कि वह एक्टिंग की दुनिया में अपना भविष्य नहीं देख पा रही हैं। जेना कहती हैं, मुझे नहीं पता था कि मैं और क्या करूंगी। वह बताती हैं कि कास्टिंग डायरेक्टर्स के सामने बार-बार अपनी एक्टिंग की रेंज साबित करनी पड़ी, जिसकी वजह से उन्होंने एक्टिंग पूरी तरह से छोड़ने के बारे में सोचना शुरू कर दिया था। जेना ने आगे कहा, मुझे लगा कि अगर एक्टिंग छोड़नी ही है, तो यही सही समय है। जेना ओटेर्गा के करियर में टर्निंग पॉइंट साल 2019 में आया। जेना को सीरीज यू के दूसरे सीजन में एली एल्व्स के रोल के लिए कास्ट किया गया। यह किरदार उनके करियर को ऊंचाइयों पर ले गया। जेना के अभिनय को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया। वह कहती हैं, मुझे यह सीरीज बहुत पसंद आई। मैंने इसकी शूटिंग पर बहुत अच्छा समय बिताया। इस दौरान ही मुझे अहसास हुआ कि एक्टिंग नहीं छोड़ सकती हूं। जेना ओटेर्गा ने एक्स, स्क्रीम 6, बिटलजूस और डेथ ऑफ यूनिकॉर्न जैसी फिल्मों में अभिनय किया। इसके अलावा नेटफ्लिक्स की एमी अवॉर्ड विनिंग सीरीज वेडनेस में भी जेना ने लीड रोल किया था।

क्रिकेट

सच का सामना करने से डरे बाबर आजम! विराट कोहली से तुलना के सवाल पर पत्रकार से ही भिड़े

कराची, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भारत से स्टार खिलाड़ी विराट कोहली से तुलना करने के सवाल पर पत्रकार से ही भिड़ गए। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में पेशावर जाल्मी की हैदराबाद किंग्समैन के खिलाफ जीत के बाद बाबर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए, लेकिन जैसे ही पत्रकार ने कोहली से उनकी तुलना करते हुए सवाल किया तो बाबर बिफर गए। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

मैच के बाद एक पत्रकार ने बाबर से कोहली की तुलना करते हुए प्रश्न किया। पत्रकार का कहना था कि भारत के पूर्व कप्तान लगातार मैच खत्म करने के लिए जाने जाते हैं। पत्रकार ने बाबर से कहा कि वह कोहली की तरह मैच फिनिश नहीं कर पाते हैं, इस पर क्या कहेंगे। पत्रकार ने सवाल किया, विराट कोहली के शॉट्स की रेंज आपसे मिलती-जुलती है, लेकिन वो लगातार मैच को फिनिश करते हैं जो कि लोग कहते हैं कि आपमें इसकी कमी है। चूंकि कई लोग आपकी तुलना उनसे करते हैं तो इस तुलना पर आपके क्या विचार हैं? बाबर पत्रकार के इस सवाल से चिढ़ गए और उन्होंने कोहली के साथ तुलना को दृढ़ता से खारिज कर दिया। बाबर ने पत्रकार से ऐसी तुलना बंद करने को कहा और जोर देकर कहा कि यह एक गलत धारणा है कि उन्होंने मैच फिनिश नहीं किए हैं। बाबर ने कहा, चलिए इसे यहीं खत्म करते हैं। ऐसे विचार अपने तक ही रखें। तुलना करना बंद करें और आगे बढ़ें। यह आपकी गलतफहमी है कि मैंने मैच फिनिश नहीं किए हैं।

बाबर की बल्लेबाजी, स्ट्रोकप्ले और पारी को संभालने की क्षमता के कारण वर्षों से उनकी तुलना कोहली से की जाती रही है। 2021 में यह तुलना तब और बढ़ने लगी जब बाबर ने आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 वनडे बल्लेबाज के रूप में कोहली के 1258 दिनों के दबदबे को खत्म किया और 2023 में वे मात्र 97 पारियों में 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। हालांकि, आंकड़ों में कोहली बाबर आजम से काफी आगे हैं और दोनों बल्लेबाजों में कोई तुलना ही नहीं है। पाकिस्तान में क्रिकेट प्रशंसक हर बार बाबर की तुलना कोहली से करते हैं, लेकिन वास्तविकता तो कुछ और ही है।

मौत से जंग जीतकर लौटे युवराज

नई दिल्ली, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। भारत को 2011 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर को याद किया है। उन्होंने बताया कि कैसे करियर के शिखर पर होने के बावजूद वह अंदर ही अंदर गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। 2011 विश्व कप के दौरान युवराज को लगातार थकान, उल्टी और बेचैनी जैसी समस्याएं हो रही थीं। लेकिन एक खिलाड़ी होने के नाते उन्होंने इन लक्षणों को नजरअंदाज किया और टीम के लिए खेलते रहे। टूर्नामेंट खत्म होने के बाद उनकी हालत और खराब हो गई। जांच में पता चला कि उनके सीने में दिल और फेफड़ों के बीच एक ट्यूमर है, जो एक दुर्लभ प्रकार का कैंसर था। युवराज ने माइकल वॉन के साथ पॉडकास्ट 'द ओवरलैप' में बताया कि डॉक्टर ने साफ कहा था, 'अगर आप इलाज नहीं कराते, तो आपके पास सिर्फ तीन-छह महीने ही बचे हैं।' डॉक्टर ने यह भी चेतावनी दी कि अगर वह खेलते रहे तो उन्हें हार्ट अटैक तक आ सकता है। इस बात ने युवराज को झकझोर दिया और उन्हें अपनी जिंदगी के बारे में गंभीर फैसला लेना पड़ा।

भारत के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर रह सकते हैं राशिद खान

नई दिल्ली, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने भारत के खिलाफ जून में होने वाले एकमात्र टेस्ट में खेलने पर संदेह जताया है। उनका कहना है कि लाल गेंद क्रिकेट उनकी लंबी करियर की संभावनाओं के लिए जोखिम भरा हो सकता है। राशिद फिलहाल आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अफगानिस्तान को जून में न्यू चंडीगढ़ में भारत के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है, लेकिन राशिद ने स्वीकार किया कि इस मैच में उनके खेलने की संभावना कम है।

राशिद ने कहा, मैं पहले भी एक टेस्ट खेल चुका हूं। मैं बस आराम से खेलूंगा। मैं नहीं चाहता कि मेरी पीठ में कोई इंजरी हो। मैं 100 टेस्ट मैच नहीं खेल सकता। लाल गेंद प्रारूप का क्रिकेट थोड़ा मुश्किल है क्योंकि मेरे डॉक्टर ने मुझसे कहा था कि इससे दूर रहो। फिर भी मैंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 67 ओवर फेंके, जिससे डॉक्टर हैरान रह गए। वनडे क्रिकेट मुझे पसंद है और मेरा ध्यान इस फॉर्मेट पर है। मैं इसमें लंबे समय तक खेल सकता हूं। लाल गेंद क्रिकेट को सीमित रखना पड़ेगा। साल में एक टेस्ट है तो मैं उसे खेल लूंगा, लेकिन उससे ज्यादा मैनेज करना मुश्किल होगा।

राशिद ने कहा कि अगर वह टीम का हिस्सा हैं तो उन्हें पूरे दिन गेंदबाजी करनी पड़ेगी। राशिद ने कहा, 'मुझे सावधानी बरतना है और खुद को वनडे विश्व कप के लिए तैयार करना है।' दिग्गज लेग स्पिनर के बयान से स्पष्ट हो गया है कि भविष्य में वह अपना फोकस वनडे पर रखना चाहते हैं। राशिद ने अब तक अफगानिस्तान के 12 टेस्ट में सिर्फ छह में हिस्सा लिया है और आखिरी बार जनवरी 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में खेला था। 2023 वनडे विश्व कप के बाद उनकी पीठ की सर्जरी ने लाल गेंद क्रिकेट में उपलब्धता सीमित कर दी है।

युवा भारतीय शटलर आयुष शेट्टी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सिंधू और प्रणय को मिली हार

नई दिल्ली, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। युवा भारतीय शटलर आयुष शेट्टी बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के पुरुष एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। वहीं, महिला एकल वर्ग में पीवी सिंधू और पुरुषों में एचएस प्रणय को हार मिली है। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष ने 20वीं रैंकिंग वाले चीनी ताइपे के चि यू जेन को 21-16, 21-12 से हराया। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से होगा।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की वांग झियि ने 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-8 से हराया। कंधे की चोट से उबरकर वापसी करने वाले एचएस प्रणय को चीन के वेंग होंग यांग ने 21-12, 21-19 से मात दी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को चौथी वरीयता प्राप्त मलयेशिया के चेन तांग जी ओर तो ई वेइ ने 21-13, 21-14 से हराया।

किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता आज से

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/वनीता। "फरीदाबाद जिला किकबॉक्सिंग संघ" के संस्थापक महासचिव संतोष कुमार अग्रवाल ने बताया की इस प्रतियोगिता में फरीदाबाद जिले के विभिन्न स्कूल एवं कॉलेज के लगभग 300 खिलाडी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडी को आगामी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। "फरीदाबाद जिला किकबॉक्सिंग संघ" के जिला अध्यक्ष राज कुमार अग्रवाल ने बताया की शुक्रवार सुबह 10 बजे उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीय विधायक, एन.आई.टी. सतीश कुमार फागना मुख्य अतिथि होंगे; समारोह की अध्यक्षता आनंद मेहता जिलाध्यक्ष क्रीड़ा भारती फरीदाबाद करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय कवि दिनेश रघुवंशी, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के प्राचार्य संजीव कुमार गुप्ता; रोटरी क्लब फरीदाबाद संस्कार के अध्यक्ष बृजभूषण गोयल उपस्थित रहेंगे।

धीमी ओवर गति के लिए गुजरात के कप्तान शुभमन गिल पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए कार्रवाई की गई है। गिल पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। गुजरात ने दिल्ली के खिलाफ रोमांचक मुकाबला एक रन से अपने नाम किया था। गुजरात की मौजूदा आईपीएल सीजन में यह पहली जीत है। लेकिन अब गुजरात के कप्तान पर जुमार्ना भी लग गया है।

आईपीएल ने एक बयान में कहा, गुजरात के कप्तान गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 14वें मैच में धीमी ओवर गति को लेकर जुमार्ना लगाया गया है। यह मौजूदा सीजन में टीम आईपीएल की आचार संहिता 2.22 का पहला उल्लंघन था जिस कारण उन पर न्यूनतम कार्रवाई की गई है। इसी कारण गिल पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। प्रसिद्ध कृष्णा की अंतिम ओवर में की गई शानदार गेंदबाजी और डेविड मिलर की एक गलती से गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हराया। गुजरात की आईपीएल में रनों से लिहाज से ये सबसे कम अंतराल से जीत है। बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में गुजरात ने 20 ओवर में चार विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 209 रन ही बना सकी। दिल्ली की टीम आईपीएल में पहली बार एक रन से नहीं हारी है। यह चौथी बार है जब टीम को एक रन के अंतराल से हार मिली है।

दिल्ली कैपिटल्स को इससे पहले 2015 में चेन्नई सुपर किंग्स, 2016 में गुजरात लायंस और 2021 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों एक रन से हार का सामना करना पड़ा था। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के अलावा किसी टीम ने एक रन के अंतराल से इतने मैच नहीं गंवाए हैं।

Postal Registration no L-2/HR/FBD/290/24-26

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

पोर्टल पर स्वयं मॉनिटरिंग कर समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी : डीसी

डीसी ने समाधान शिविर में सुनी नागरिकों की समस्याएं

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/रुपेश बंसल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि 'समाधान शिविरों' में आने वाली शिकायतों का समाधान अत्यंत गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी ढंग से निपटारा करना है, और इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ समाधान शिविरों की प्रगति की समीक्षा की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की, बल्कि शिविरों में उपस्थित शिकायतकर्ताओं से भी सीधा संवाद

- मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपायुक्तों और शिकायतकर्ताओं से किया सीधा संवाद।

कर उनकी समस्याओं और विभागीय कार्यवाही के बारे में व्यक्तिगत फीडबैक लिया। वीरवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता उपायुक्त आयुष सिन्हा ने की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों से यह अपेक्षा की है कि समाधान शिविरों और सरकारी कार्यालयों में आने वाली हर छोटी-बड़ी शिकायत को पूरी संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ सुना जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल शिकायत सुनना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि लंबित मामलों की

समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं को सुनते जिला उपायुक्त आयुष सिंहा।
छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

नियमित समीक्षा की जाए और जिन समस्याओं का तुरंत समाधान संभव नहीं है, उनके लिए स्पष्ट समयसीमा तय की जाए। डीसी आयुष सिन्हा ने समाधान शिविरों की प्रभावशीलता को और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि वे केवल अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर निर्भर न रहें, बल्कि स्वयं पोर्टल खोलकर शिकायतों की समीक्षा करें और उनका समाधान सुनिश्चित करें।

उन्होंने अधिकारियों को कहा कि वे प्राप्त शिकायतों का यथासंभव मौके पर ही निपटान करें। जिन मामलों का तुरंत समाधान संभव नहीं है, उनके लिए स्पष्ट कारणों सहित रिपोर्ट तैयार रखें, ताकि समीक्षा बैठक में लंबित मामलों पर संतोषजनक जवाब दिया जा सके। लंबित शिकायतों को बिना ठोस कारण के पुनः लंबित न रखने के निर्देश भी दिए गए।

डीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन हमेशा नागरिकों की सहायता के लिए तत्पर हैं और जनहित में यह पहल निरंतर जारी रहेगी। इसी क्रम में आमजन से अपील की गई है कि यदि किसी नागरिक को स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, समाज कल्याण पेंशन, राशन कार्ड, स्थानीय निकायों से नो-ड्यूज प्रमाण पत्र, नगरपालिका द्वारा नक्शा पास करवाने, बिजली, सिंचाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य या आपराधिक शिकायतों से संबंधित किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो वह निःसंकोच समाधान शिविर में आकर अपनी शिकायत दर्ज कराए।

डीसी आयुष सिन्हा ने बताया कि जिला प्रशासन हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक लघु सचिवालय में जनता की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिकायत समाधान शिविरों में नागरिकों की भागीदारी सरकार और प्रशासन पर उनके भरोसे को दशार्ती है।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. सुमिता मिश्रा ने वीसी कर लंबित कार्यों की समीक्षा की

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। गृह विभाग हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने वीरवार को प्रदेशभर

गृह विभाग हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा की वीसी में हिस्सा लेते जिला उपायुक्त व अन्य अधिकारी।
छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

के जिला उपायुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक लेते हुए विभिन्न एजेंडों पर विस्तार से समीक्षा की और राजस्व से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों में तेजी लाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में कहा कि कई प्रमुख मामले जैसे पार्टीशन केस, म्यूटेशन केस, पेपरलेस डिमार्केशन, राजस्व न्यायालयों के प्रकरण, जमाबंदी अपडेशन, ततीमा कटिंग पेंडेंसी, युवा आपदा स्कीम, पेपरलेस रजिस्ट्रेशन और मॉडल रिकॉर्ड रूम जैसे कार्यों का सीधा संबंध आम नागरिकों से है, और इन कार्यों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। वीडियो कांफ्रेंस में उपायुक्त आयुष सिन्हा ने भी अधिकारियों के साथ बैठक की और सभी लंबित म्यूटेशन कार्यों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने पेपरलेस रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता लाने की बात की, ताकि डिजिटल इंडिया के विजन को वास्तविकता में उतारा जा सके। डीसी आयुष सिन्हा ने ततीमा (भूमि नक्शा) अद्यतन करने पर भी जोर दिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित ततिमा रिकॉर्ड जल्द अपडेट किए जाएं, ताकि भूमि से जुड़े अभिलेख सही, पारदर्शी और डिजिटल रूप में उपलब्ध हो सकें। इससे भूमि विवादों में कमी आएगी और नागरिकों को राजस्व सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। इसके अलावा, डीसी ने पेपरलेस डिमार्केशन के लिए राजस्व रिकॉर्ड के आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए मॉडल रिकॉर्ड रूम की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

ठेका कर्मियों को रेगुलर करने की मांग को लेकर प्रदर्शन 20 मई को

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के तहत ठेका कर्मियों को स्थायी करने की मांग को लेकर 20 मई को बिजली मंत्री अनिल विज के अंबाला

कैंप ऑफिस पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। फरीदाबाद से बड़ी संख्या में बिजली कर्मचारी इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। इस प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर बृहस्पतिवार को एनएच 2 स्थित सामुदायिक केंद्र पर ठेका कर्मचारियों की सभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता सुबोध ने की। कार्यक्रम में इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईईएफआई) के उपाध्यक्ष सुभाष लांबा, ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शब्बीर अहमद गनी, सचिव सामून खान, सीसी सदस्य मनोज जाखड़, सर्कल सचिव कृष्ण कुमार, यूनिट कमेटी के नेता प्रवेश बैंसला, रामकेश साहरण, राम प्रकाश कर्दम, सुरेन्द्र शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभा में यह निर्णय लिया गया कि 20 मई के प्रदर्शन में सभी कर्मचारी बढ़-चढ़कर भाग लेंगे और जल्द ही बल्लभगढ़, ग्रेटर और ओल्ड फरीदाबाद यूनिटों में ठेका कर्मचारियों की आम सभा का आयोजन भी किया जाएगा। ईईएफआई के उपाध्यक्ष सुभाष लांबा ने आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की टर्म ऑफ रेफरेंस में संशोधन कर ठेका कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि की मांग की।

ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट के नाम पर 91.50 की ठगी, मीडिएटर गिरफ्तार

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने ट्रेडिंग में इनवेस्टमेंट के नाम पर 91.50 रुपये की ठगी करने के मामले में 8 अप्रैल को एक आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान मनोज, निवासी दुर्गा वाजीरा, जिला धेनकनाल (ओडिशा) के रूप में हुई है।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, एनआईटी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी फेसबुक के माध्यम से एक व्यक्ति से बातचीत शुरू हुई, जो बाद में व्हाट्सएप पर जारी रही। ठग ने उसे ट्रेडिंग में निवेश कर अधिक मुनाफा कमाने का झांसा दिया और उसका एक ट्रेडिंग अकाउंट खुलवाया। ठगों के झांसे में आकर शिकायतकर्ता ने उनके द्वारा बताए गए विभिन्न बैंक खातों में अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच कुल 91,50,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद न तो उसे कोई मुनाफा मिला और न ही उसकी रकम वापस की गई। शिकायत के आधार पर साइबर थाना एनआईटी में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

पेस्टीसाइड्स बेचने के नाम पर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/वनिता। पेस्टीसाइड्स और फर्टिलाइजर बेचने के नाम पर 84,650/- रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने एक आरोपित को 8 अप्रैल को बहादुरगढ़ गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान राहुल गोयल वासी प्रेम नगर-2, किरारी सुलेमान नगर, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार तिगांव निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में दी शिकायत में बताया कि उसने फेसबुक पर पेस्टीसाइड्स और फर्टिलाइजर के डिस्ट्रीब्यूशन से संबंधित एक विज्ञापन देखा। विज्ञापन में दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर ठग ने उसे उत्पादों की जानकारी दी और एडवांस पेमेंट करने को कहा। उन्होंने कुल कीमत 1,80,000/- रुपये बताई, जिस पर उसने 84,650/- रुपये एडवांस बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दिये। उनके द्वारा आधे घंटे में सामान डिलीवर करने का आश्वासन दिया गया, लेकिन बाद में संपर्क करने पर फोन उठाना बंद कर दिया। शिकायत पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित ने फेसबुक पर पेस्टीसाइड्स और फर्टिलाइजर से संबंधित फर्जी विज्ञापन डाला हुआ था। जब शिकायतकर्ता ने फेसबुक पेज पर दिए गए नंबर पर संपर्क किया तो उसने सामान के नाम एडवांस के रूप में पैसे खातों में डलवा लिये। खाता उसके साथी ने उपलब्ध कराया था। जिसको माननीय अदालत में पेश कर 2 पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

छात्रों ने नेशनल कल्चरल फेस्ट में पुरस्कार जीते, अग्रवाल कॉलेज का नाम किया रोशन

बल्लभगढ़, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। अग्रवाल कॉलेज के छात्रों ने 8 अप्रैल को के० एल० मेहता दयानंद महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित नेशनल लेवल कल्चरल फेस्टिवल तरंग में अनेक पुरस्कार जीत कर अग्रवाल महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

डिबेट में पूजा ने प्रथम, सिम्पोजियम में रिद्धिमा ने प्रथम, स्टैंड अप कॉमेडी में रिमझिम ने प्रथम, स्पॉट पेंटिंग में पीयूष ने तृतीय और पोस्टर मेकिंग में प्रजापति ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ की गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन देवेंद्र कुमार गुप्ता और महासचिव दिनेश कुमार गुप्ता ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा

कि कॉलेज के विद्यार्थी हर सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भाग लेते हैं और अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं, जो निसंदेह गर्व का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि ये प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के समग्र विकास में भी जरूरी हैं।

महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता और कॉलेज की कल्चरल कमेटी की कन्वीनर डॉ. सुप्रिया ढांडा ने विजयी छात्रों को बधाई दी। प्राचार्य डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि महाविद्यालय सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है, जिसके फलस्वरुप छात्रों का परिणाम उम्दा रहा। इसका श्रेय कॉलेज की पूरी मैनेजमेंट, गवर्निंग बॉडी, विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और कॉलेज की कल्चरल हेड मैडम सुप्रिया ढांडा के कुशल नेतृत्व को जाता है।

कॉलेज की कल्चरल कन्वीनर डॉ. सुप्रिया ढांडा ने कहा कि यह पहली बार नहीं है, हमारे महाविद्यालय के छात्र जोनल लेवल से लेकर नेशनल लेवल यूथ फेस्टिवल तक अपनी सफलता के परचम लहरा चुके हैं और भविष्य में भी उन्हें इसी प्रकार बेहतरीन प्रदर्शन का यकीन है। महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने जीतकर आए विद्यार्थियों का मुंह मीठा करवा स्वागत किया और शुभकामनाएँ दीं।

जिला स्तरीय 8वें पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ, पोषण को जन-आंदोलन बनाने पर जोर

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। जिला स्तरीय 8वें पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कार्यक्रम अधिकारी मीनाक्षी चौधरी ने की, जबकि शुभारंभ उपमंडल अधिकारी, बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज ने किया।

इस अवसर पर एसडीएम मयंक भारद्वाज ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विभाग द्वारा निर्धारित दिवसीय गतिविधियों को गंभीरता और उत्साह के साथ धरातल पर लागू किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों तक पोषण संबंधी संदेश पहुंच सके। उन्होंने कहा कि पोषण पखवाड़ा के दौरान माता एवं शिशु के पोषण, बच्चों के मस्तिष्क के संपूर्ण विकास, खेल-खेल में पढ़ाई, माता-पिता की सक्रिय भागीदारी, मोबाइल के कम प्रयोग तथा बागवानी के महत्व जैसे विषयों पर विशेष रूप

पोषण पखवाडे में उपस्थिति बल्लभगढ के एसडीएम मयंक भारद्वाज।
छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

से जागरूकता फैलाना आवश्यक है।

उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में परिवार और समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इस दिशा में अहम कड़ी हैं। कार्यक्रम के दौरान यह भी अवगत कराया गया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय स्तर पर भी 8वें पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसमें जिला फरीदाबाद से 30 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, 5 सुपरवाइजरों और महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, फरीदाबाद-ग्रामीण ने भागीदारी की। कार्यक्रम में जिला संयोजक, पोषण अभियान गीतिका सभरवाल ने सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली सभी गतिविधियों को जन आंदोलन डैशबोर्ड पर नियमित रूप से अपलोड किया जाए, ताकि गतिविधियों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा सके।

इस अवसर पर महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी हेमा कौशिक ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने केंद्रों पर दहेज प्रथा की रोकथाम तथा बाल विवाह निषेध को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

दो चोर गिरफ्तार

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। फरीदाबाद पुलिस ने अलग-अलग मामलों में दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल और एक ऑटो बरामद किया है।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, थाना मुजेसर में मोटरसाइकिल चोरी की शिकायत प्राप्त हुई थी। कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने दीपक सिंह, निवासी गाँव गोठड़ा, जिला झुंझुनू (राजस्थान), हाल निवासी रामपुरा, जिला खैरथल (राजस्थान) को मैट्रो फ्लैट, सेक्टर-56 के पास से चोरी के ऑटो सहित गिरफ्तार किया। अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी के एक अन्य मामले में कार्रवाई करते हुए हिमांशु, निवासी कृष्णा कॉलोनी, फरीदाबाद को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया। आरोपित का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। दोनों आरोपितों को माननीय अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

आवश्यक जानकारी

सत्यजय टाईम्स में छपवाए अपने कोर्ट नोटिस

फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित **हिन्दी दैनिक सत्यजय टाईम्स डीएवीपी, रेलवे तथा हरियाणा सरकार** के साथ-साथ **पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़** की विज्ञापन सूची में शामिल **हिन्दी दैनिक** है जिसमें आप अपने न्यायालयों से संबंधित नोटिस भी प्रकाशित करा सकते है।

सत्यजय टाईम्स
Satyajay Times

संपर्क करें :-
विज्ञापन प्रबंधक, मो.9643311765
9811232533, 0129-4042533
Email : satyajaytimes@gmail.com,

शिक्षित और सुरक्षित बचपन ही समाज की नींव : मयंक भारद्वाज

अक्षय तृतीया पर कुप्रथा को रोकें, 112 पर दें सूचना

फरीदाबाद, 09 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। बल्लभगढ़ तहसील सहित अन्य इलाकों में बाल विवाह के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान बल्लभगढ़ एसडीएम मयंक भारद्वाज भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को यह संकल्प भी दिलाया गया कि वे किसी भी परिस्थिति में बाल विवाह नहीं करवाएंगे और न ही होने देंगे। बल्लभगढ़ एसडीएम मयंक भारद्वाज ने बताया कि बाल विवाह न केवल एक कानूनी अपराध है, बल्कि यह बच्चों के सुनहरे भविष्य और उनके शारीरिक व मानसिक विकास के साथ एक गंभीर खिलवाड़ भी है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों और 21 वर्ष से कम आयु के लड़कों का विवाह अमान्य है, तथा ऐसा कराने या सहयोग देने पर कानूनी कार्रवाई संभव है। उन्होंने कहा कि सरकार बच्चों की शिक्षा, अधिकारों की

बाल विवाह को लेकर जागरुकता कार्यक्रम में हिस्सा लेते एसडीएम मयंक भारद्वाज।
छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

सुरक्षा और कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है, लेकिन समाज की भागीदारी के बिना इन्हें प्रभावी बनाना कठिन है। बच्चों का शिक्षित, स्वस्थ और सुरक्षित विकास पूरे समाज की जिम्मेदारी है। जब तक लोग बाल विवाह के खिलाफ जागरूक नहीं होंगे, इसे पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं है। संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी हेमा कौशिक ने अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर समस्त आमजन से अपील की है कि बाल विवाह करना एवं कराना कानूनन अपराध है। बाल विवाह निषेध के प्रावधानों के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की लड़की तथा 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह पूर्णतः अवैध है। इस प्रकार के किसी भी विवाह में शामिल होने वाले चाहे वे माता-पिता हों, रिश्तेदार हों अथवा आयोजक-सभी के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कानून के तहत दोषी पाए जाने पर अधिकतम 2 वर्ष तक का कारावास, या 1 लाख रुपये तक का जुमार्ना, अथवा दोनों दंड का प्रावधान है। अतः सभी नागरिकों से अपील है कि वे बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने में सक्रिय सहयोग करें, कानून का पालन सुनिश्चित करें तथा यदि कहीं इस प्रकार की घटना की जानकारी मिले तो तुरंत संबंधित प्रशासन या अधिकारी को सूचित करें।

सत्यजय टाईम्स सेल्फी कॉर्नर

शीला गुप्ता (बल्लभगढ़)

समय सिंह (बल्लभगढ)

कविता गोयल (बल्लभगढ़)

योगेश बंसल (फरीदाबाद)

आप भी यदि इस कॉलम में अपना फोटो प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उठाइए अपना मोबाइल फोन और आप अपने घर पर जो भी नया कर रहे हैं उसकी सेल्फी लें और भेज दें हमें नीचे लिखे व्हाट्सएप नंबर पर।

9811016963

पलवल में सत्यजय टाईम्स पत्र प्राप्त करने व विज्ञापन हेतु संपर्क करेः- कमेटी चौक, वार्ड नंबर-19, अरियन हॉस्पीटल के पीछे, मकान नंबर-237, **लक्ष्मण शर्मा**- 8295307492, **कपिल शर्मा**-98965 82968

होड़ल में सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए संपर्क करें- अग्रवाल न्यूज एजेंसी
सम्पर्क सूत्र - अमित अग्रवाल 9254588483

नूहं जिले में दैनिक सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र प्राप्त करने एवं दैनिक सत्यजय टाईम्स में कोर्ट नोटिस, खोया पाया, बेदखली व अन्य प्रकार के विज्ञापन छपवाने के लिए संपर्क करें, जुबैर खान, नूंह बिजली बोर्ड के सामने, ऑफिस नूंह 9813631877, 8059131877 नूंह मेवात

सोहना में सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र में समाचारों के लिए संपर्क करें- अशोक गर्ग -9354135063

दिल्ली ब्यूरो कार्यालय मकान नम्बर 304 गली नम्बर 5 मूगा नगर, करावल नगर रोड़ दिल्ली 94

यदि आप भी अपने किसी प्रियजन स्वजन को किसी भी प्रकार का कोई संदेश फोटो के साथ देना चाहते हैं, तो सत्यजय टाइम्स हिंदी दैनिक इसमें आपका सहयोग करने को तैयार है, आप अपना संदेश अपने नाम व फोटो सहित हमें 7838364763 नंबर पर व्हाट्सएप करें। हम उसको सत्यजय टाइम्स हिंदी दैनिक में प्रकाशित करेंगे।

संपादकीय कार्यालय

खबरों व विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।
5आर-1 (प्रथम तल) नियर एच.डी.एफ. सी. बैंक बी.के. चौक एनआईटी फरीदाबाद।
मोबाईल नं-9811232533, 0129-4042533

स्वत्वाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक व मालिक) रूपेश कुमार बंसल द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रैस डी-85 सैक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर उत्तर-प्रदेश 201301 से मुद्रित कर मकान नम्बर- 35/ए न्यू कालोनी, रेलवे रोड़ (भाटिया क्रेन वाली गली) फरीदाबाद 121001 (हरियाणा) से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-विजय चौहान* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी।